भाद्रपद कृष्ण पक्ष-9, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 114 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
08 अक्टूबर 2023 रविवार

आज का मौसम
33 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सियासत के नए दांवपेंच और शिवराज के बढ़ते अंतर्द्वंद

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को आखिर ऐसा क्या हुआ है जिससे कि वह लगातार नकारात्मक बयानबाजी पर आमादा हैं? नई विधानसभा के नतीजे तो दूर अभी इनके चुनावों की तारीख भी घोषित नहीं हुई है। भाजपा आलाकमान ने सूबे में भाजपा के खिलाफ चलती लहर को थामने के लिए तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित सात सांसदों और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव को विधानसभा चुनाव के मैदान में उतारने का फैसला लेने के बाद शिवराज सिंह के रवैये में अचानक बदलाव आया। शिवराज ने केंद्र के इस फैसले से मान लिया कि भाजपा अब उन्हें आगे मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। शिवराज को भला यह अहसास क्यों हुआ? केंद्र सरकार के तो किसी भी नेता या उनके नुमाइंदे ने यह ऐलान नहीं किया कि मध्यप्रदेश का चुनाव शिवराज की अगुआई में नहीं लड़ा जाएगा। रहा सवाल चुनाव के बाद नए मुख्यमंत्री के बनने या शिवराज को ही बनाए रखने का फैसला तो तब होगा जबकि विधानसभा का चुनाव सरकार जीतेगी। अभी तो यह बात भविष्य के गर्भ में है कि भाजपा फिर सरकार में रिपीट होगी या कांग्रेस की सरकार बनेगी।

जाहिर सी बात है कि अभी तो कांग्रेस और भाजपा के बीच भीषण जंग के हालात हैं। सूबे की अगुआई मुख्यमंत्री के बतौर शिवराज की कर रहे हैं और विधानसभा के नतीजे आने तक वे ही मुख्यमंत्री बनें रहंगे। लेकिन 3 अक्टूबर को सीहोर जिले की अपनी विधानसभा सीट के कार्यकर्ताओं और जनता के बीच उन्होंने यह कहकर चौंकाया कि वे चले जाएंगे तो लोगों को याद बहुत आएंगे। फिर उन्होंने सवाल दागा कि उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं। जबकि पार्टी ने अभी तक यह नहीं कहा है कि शिवराज चुनाव नहीं लड़ंगे। अगले दिन ही यानि 4 अक्टूबर को बुरहानपुर के एर सरकारी कार्यक्रम में उन्होंने यह कहकर चंकाया कि वे ले ही दिखने में दुबले पतले हैं लेकिन लडने में भारी तेज हैं। छह अक्टूबर को उन्होंने डिंडोरी में लोगों को यह कहकर हतप्रभ किया कि वह अच्छी सरकार चला रहे हैं या बुरी? सरकार कैसी चल रही है? उन्हें मुख्यमंत्री बनना चाहिए या नहीं?

दरअसल भाजपा में सरकार चलाने का रिकॉर्ड बना चुके शिवराज के ये सवाल सहज नहीं हैं। मुख्यमंत्री के इतने लंबे कार्यकाल के बाद उनका कद मुख्यमंत्री से बहुत ऊपर उठ चुका है। उनकी राजनीति का लोहा भाजपा के भीतर और बाहर लोग कल भी मानते थे और आज भी मानते हैं। भाजपा के लिए वह बोझ नहीं हैं। वे पार्टी के लिए आज भी एसेट(पूंजी) हैं। सियासत की बिसात पर उनका राजनीतिक जीवन अभी भी काफी लंबा है। मुख्यमंत्री का पड़ाव उन्होंने तय किया है लेकिन कई मंजिलें अभी भी बाकी हैं। उन्हें इस विचार से बाहर निकलना पड़ेगा कि हर बारात के दूल्हे वही हैं। राजनीति में तो कम से कम यह नहीं होता। उन्हें यह भी सोचना होगा कि उनके साथ सियासी सफर तय करने वाले कई नेता कहां हैं? क्या वे उनके आसपास भी हैं? फिर शिवराज को तो यह सोचना चाहिए कि भाजपा छोटे से लेकर बड़े नेताओं को नवाजने वाली पार्टी है? क्या पता मुख्यमंत्री की इस लंबी पारी के बाद न जाने कौन सा नया और बड़ा ओहदा उनका इंतजार कर रहा है? लेकिन फिलहाल वह जिस मोड में चल रहे हैं वह उनको नई जिम्मेदारियों के बजाए अवसरों के दूर ले जाएगा।

उप-राष्ट्रपति धनखड़ -सीएम गहलोत की जुबानी जंग तेज

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान विधानसभा चुनाव के माहौल के बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच जारी जुबानी जंग और तेज हो गई। दरअसल उपराष्ट्रपति लगातार राजस्थान के दौरे कर रहे हैं।इस पर दस दिन पहले गहलोत ने आपत्ति जताई दी। अब धनखड़ ने कहा- कोई कितनी भी टोका-टोकी करे, कितने ही हथकंडे अपना ले लेकिन, मैं राजस्थान आता रहूंगा। दरअसल धनखड़ सीएम गहलोत का गढ़ माने जाने वाले जोधपुर और श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ के दौरे पर रहे तो यह जंग तेज हो गई। धनखड़ ने कहा- प्रदेश में मेरी यात्राओं को लेकर अनर्गल बातें करना मुझे अच्छा नहीं लगता। वहीं गहलोत ने कहा कि ' उनके परिवार के साथ मेरे 50 साल से संबंध रहे हैं। मैंने जो कहा- सोच-समझकर कहा था। उसके मतलब क्या हैं, वह भी समझ गए, मैं भी समझ गया और जनता भी समझ गई है।'

अफगानिस्तान में जबर्दस्त भूकंप, 2 हजार की मौत

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में भूकंप की वजह से 2 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। ये आंकड़ा तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने जारी किया है। देश के सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रायन ने कहा कि हेरात में भूकंप से मरने वालों की संख्या मूल रूप से बताई गई संख्या से ज्यादा है। उन्होंने तत्काल मदद की अपील करते हुए कहा कि करीब छह गांव तबाह हो गए हैं और सैकड़ों नागरिक मलबे में दब गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के दफ्तर से एक अपडेट में कहा गया है कि 465 घरों के तबाह होने की सूचना है और 135 क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

अवैध खनन रोकने गए रेंजर व अमले को जेसीबी से कुचलने की कोशिश

उमरिया एजेंसी। खनिज से जुड़े लोगें ने देर रात यहां रेंजर की गाड़ी को जेसीबी मशीन से कुचलने का प्रयास किया। बताया गया है कि मशीन से जंगल मे मिट्टी का अवैध उत्खनन किया जा रहा था तथा इसकी सूचना पर चंदिया रेंजर रवि पांडे अपने साथ गाड़ी में एक डिप्टी रेंजर और दो फारेस्टगार्ड को लेकर अवैध उत्खनन रोकने गए थे। मौके पर पहुंचने के बाद पता चला कि अवैध उत्खनन वाली जगह चंदिया रेंज से लगे वन विकास निगम के संभावित कक्ष क्रमांक पी 36 ग्राम बरही के नजदीक है। रहां अपसरों को देखे जेसीबी चालक ने भागने का प्रयास किया। जेसीबी चालक ने परिक्षेत्र अधिकारी रवि पांडे की गाड़ी को कुचलने का प्रयास किया। परिक्षेत्र अधिकारी का शासकीय वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और जेसीबी चालक फरार हो गया। वाहन में बैठे रेंजर और उनका स्टाफ बाल बाल बच गए और बड़ी मुश्किल से गाड़ी से बाहर निकले।

भोपाल के बाद वायुसेना का बड़ा शो प्रयागराज में

प्रयागराज , एजेंसी। वायुसेना अपना स्थापना दिवस आज पूरी भव्यता के साथ प्रयागराज में मना रही है। संगम क्षेत्र में जहां देश की सुरक्षा में लगे लड़ाकू विमान अपना शौर्य दिखा रहे हैं तो मध्य वायु कमान मुख्यालय बमरौली में वायु योद्धाओं की परेड भी है। आयोजन में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान के साथ वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी भी शिरकत कर रहे हैं। आज वायुसेना के नए ध्वज का भी अनावरण होगा।

कांग्रेस ने सौ से ज्यादा नाम किए तय, जहां उभरे मतभेद वहां के लिए दिल्ली में चलेंगे बैठकों के दौर...

उम्मीदवारों के लिए फिर सर्वे! दौड़ेंगे हाईकमान के सर्वेयर

आशीष दुबे, भोपाल

कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के लिए आधे से ज्यादा उम्मीदवार मोटे तौर पर तो तय कर लिये हैं, इसमें करीब 70 मौजूदा विधायक भी हैं, जबकि दर्जनभर विधायकों के टिकट पर पुनर्विचार का फैसला हुआ है। खास बात यह है कि हाइकमान ने करीब तीन दर्जन के आसपास सीटों पर फिर से 'सर्वे' कराने के लिये कहा है। क्योंकि इन सीटों पर बड़े नेताओं के बीच एकराय नहीं बन पाई व सर्वे नतीजे भी अलग अलग आये हैं। हालांकि तय हो चुके नामों को जारी करने में कांग्रेस की हिचकिचाहट भी साफ उभर रही है बल्कि इस पर जोर है कि चुनाव ऐलान व नोटिफिकेशन के बाद ही पहली सूची जारी की जाए, ताकि किसी भी संभावित विरोध या नाराजगी को ज्यादा उभरने का मौका न मिले। सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस के इस फलसफे के पीछे वह अनुभव है जिनसे मप्र में भाजपा तीन टिकट सूची आने के बाद जूझ रही है।

जानकार सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने लगभग डेढ़ सौ सीटों पर चर्चा की है। इनमें से करीब सौ सीट पर ऐसे नाम रहे,जिनको तय करने में ज्यादा मशक्कत नहीं करना पड़ी, क्योंकि इसमें मप्र कांग्रेस, एआईसीसी व लगभग सभी नेताओं की राय समान थी। यह सीटें जीती-हारीं दोनों श्रेणी की हैं, जबकि करीब चालीस सीटों पर नामों की चर्चा के बाद 'प्राथमिक सहमति' बना ली गई। हालांकि दर्जनभर के करीब विधायक ऐसे हैं जिनके बारे में दोनों सर्वे के अलग निष्कर्ष हैं, यहां पैनल की भी स्थिति है। इनमें कुछ विधायक महाकोशल, ग्वालियर,चंबल और मध्यभारत के भी हैं। अधिकांश दिग्गज विधायकों के टिकट को हरी झंडी है। जबकि तीस से चालीस ऐसी सीटें हैं जहां दिग्ग्ज नेताओं की अलग अलग सिफारिशें हैं। एक सूत्र का कहना है कि एआईसीसी अब अपने स्तर पर ऐसी कई सीटों के लिये फिर से सर्वे कराने के मूड में है और यह काम दो तीन दिन में पूरा भी कर लिया जाएगा। यह वह सीटें हैं जहां दोनों सर्वे के निष्कर्ष बिल्कुल मेल नहीं खा रहे हैं। भोपाल के लिए नामों पर चर्चा बाद के राउंड में होगी। सूत्रों का कहना है कि हाइकमान सिफारिशों के बजाए जीत की पुख्ता संभावना को तवज्जो देने के मूड में है।

भाजपा से आए नेताओं पर बाद में विचार: सूत्र बताते हैं कि भाजपा या अन्य दलों से कांग्रेस मे शामिल हुए नेताओ में से कुछ के टिकट पर चर्चा हुई है लेकिन अभी अंतिम निर्णय नहीं हो सका है, हालांकि दीपक जोशी को मौका देने के पक्ष में सभी बड़े नेता हैं,ऐसे में वे कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। वही मुख्यमंत्री शिवराज को उनके क्षेत्र बुधनी में घेरने के लिए बड़े चेहरे या नये नाम के बीच कशमकश है।

त्रिपाठी ने मंजूर किया बीआरएस का साथ

भोपाल। विधायक नारायण त्रिपाठी ने तेलंगाना के क्षेत्रीय दल बीआरएस के साथ मिलकर मप्र में विध्य की चार सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया है। खबरें हैं कि उनकी बीआरएस नेताओं के साथ बैठक हो चुकी हैं और चार सीटों पर बीआरएस साधन संसाधन जुटाने को भी तैयार है। त्रिपाठी ने पहले अपना भी एक दल गठित किया था,जिसका नाम बीजेपी से मेल खाता हुआ था। उनकी कांग्रेस से भी अंदरूनी तालमेल की चर्चा थी।

अभिनेत्री समेत सैकड़ों भारतीय फंसे, एयर इंडिया की उड़ानें रद्द

नई दिल्ली/ मुंबई , एजेंसी। फिलिस्तीन समर्थक आतंकी ग्रुप हमास के हमले के बाद इजरायल में हालात बुरे हो चले हैं। हालांकि इजराइली सेना पलटवार कर रही है। अब तक इस हमले मे पांच सौ लोग मारे जा चुके हैं। वहीं भारतीय फिल्म अभिनेत्री नुसरत भरूचा समेत सैंकडों भारतीय वहां फंसे हुए हैं। बमुश्किल नुसरत से अब संपर्क हो सका है। वे पूरी तरह सुरक्षित हैं तथा तेल अवीव एयरपोर्ट पर पहुंच गई हैं। बताया जाता है कि उनके साथ कुछ अन्य भारतीय भी हैं। हमले के बाद सभी को सुरक्षा प्रदान की गई इन सभी को सुरक्षित बेसमेंट में रखा गया था।

खबरें हैं कि अभिनेत्री नुसरत भरूचा अब दुबई के रास्ते मुंबई लौटेंगी, क्योंकि कोई डायरेक्ट फ्लाइट उपलब्ध नहीं है। उनके आज शाम या रात तक भारत पहुंचने की उम्मीद है। नुसरत भरूचा की टीम के के सदस्यों ने मुबई में कहा, वह हाइफा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भाग लेने के लिए वहां गई थीं। आखिरी बार उनसे शनिवार दोपहर 12.30 बजे के आसपास संपर्क हुआ था, जब वह एक तहखाने में सुरक्षित थी।

तेल अवीव जाने वाली उड़ानें की रद्द

एयर इंडिया ने नई दिल्ली से अवीव जाने वाली उड़ान रद्द कर दी। एयरलाइन तेल अवीव के लिए पांच साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है। ये उड़ानें- सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार को होती हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बीते दिन नई दिल्ली से तेल अवीव के लिए उड़ान संख्या एआई 139 और वापसी की उड़ान एआई 140 को रद्द कर दिया गया है।

इस बीच, मेघायल के मुख्यमंत्री कॉनराड कोंगकल संगमा ने बताया है कि उनके राज्य के 27 नागरिक इजरायल में फंसे हैं। संगना ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 'यरुशलम की तीर्थयात्रा के लिए गए मेघालय के 27 नागरिक इजरायल और फिलिस्तीन के बीच तनाव के कारण बेथलहम में फंस गए हैं। मैं उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय के संपर्क में हूं।'

आतंकी संगठन हिजबुल्लाह का हमला: हमास और इजराइल के बीच शनिवार को शुरू हुई जंग दूसरे दिन भी जारी है। इजराइल ने कहा है कि आज जंग में उसके 26 सैनिक मारे गए हैं। दूसरी तरफ, रविवार सुबह लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह ने भी इजराइल पर मोर्टार अटैक किया है। जवाब में इजराइल ने लेबनान पर एयर स्ट्राइक शुरू कर दी है। जंग के दूसरे दिन गाजा बॉर्डर पर तैनात इजराइली डिफेंस फोर्स के कमांडर नहल ब्रिगेड समेत उसके 300 लोगों की मौत हो गई है। 256 फिलिस्तीनी भी मारे गए हैं।

मेट्रो एंकर भाषा में विशेषज्ञता रखने वाले उम्मीदवारों की लिखित और मौखिक परीक्षा हुई

चीन से निपटने सेना को मंदारिन सिखा रहे 'नए टीचर'

नई दिल्ली , एजेंसी। पूर्वी लद्दाख में पड़ोसी मुल्क चीन के साथ टकराव को देखते हुए सेना ने अपने जवानों को चीनी भाषा मंदारिन सिखाने की तैयारी कर ली है। युद्ध और शांति के समय देश की सेवा करने वाली भारत की टेरिटोरियल आर्मी (टीए) इस साल अपना 75वां स्थापना दिवस मना रही है उसने मंदारिन भाषा विशेषज्ञों की भर्ती कर ली है। इसका मकसद 3400 किमी लंबे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तैनात कनिष्ठ और वरिष्ठ अधिकारियों को मंदारिन भाषा में प्रवीण बनाना है ताकि वे जरूरत पड़ने पर चीनी सैनिकों का सामना होने पर उनकी भाषा समझ सकें और उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब में दे सकें।

60 हजार सैनिक, भाषा की समस्या

दरअसल, सशस्त्र बलों ने पिछले तीन सालों के दौरान पूर्वी लद्दाख में सैन्य टकराव के चलते एलएसी पर निगरानी व्यवस्था और जवानों की तैनाती काफी मजबूत की है। पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील इलाके में 5 मई 2020 को भारतीय जवानों और चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। 15 जून 2020 को गलवां वैली संघर्ष के बाद टकराव बढ़ गया। दोनों ही ओर से पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर 50,000 से 60,000 सैनिकों की तैनाती की गई थी। भारत और चीन के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले कुछ स्थानों पर तीन साल से अधिक समय से टकराव चल रहा है जबकि दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई इलाकों से सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पांच विशेषज्ञों का बैच सीमा बैठकों के दौरान भारत और चीन पक्षों के बीच दुभाषिए के रूप में भी भूमिका निभाएगा। इसके अलावा, प्रादेशिक सेना ने साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की भर्ती पर भी ध्यान दे रहा है। इन विशेषज्ञों को नियुक्त करने की प्रक्रिया जनवरी में शुरू हुई थी और अब पूरी हुई है।

बताया जाता है कि मंदारिन भाषा में विशेषज्ञता रखने वाले विभिन्न उम्मीदवारों को लिखित और मौखिक परीक्षा देनी पड़ी। जिन लोगों को चुना गया है उनकी औसत आयु 30 साल है। अधिकारी का कहना है कि यह विशेषज्ञ सीमा कार्मिक बैठकों के दौरान भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच दुभाषिए के रूप में भूमिका निभाएंगे। इन्हें बीपीएम के अलावा अन्य नौकरियों में भी तैनात किया जा सकता है।

प्रतिमाओं को आकार दे रहे मूर्तिकार, चौक-चौराहों पर सज रहे पंडाल

भोपाल। शरदीय नवरात्र 15 अक्टूबर से शुरू होगा। नवरात्र को लेकर भक्तों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मूर्तिकारों के द्वारा मां दुर्गा के अलग-अलग रूपों की प्रतिमाओं को आकार दिया जा रहा है। कलाकार प्रतिमाओं में कहीं महाकाली, कहीं माता का परिवार और महिशासुर वध जैसी प्रतिमाओं को रूप दिया जा रहा है। इधर दुर्गा उत्सव समितियों ने भी तैयारियां तेज कर दी है। राजधानी के चौक-चौराहों पर दुर्गा पंडाल सज रहे हैं। भोपाल शहर में छोटे-बड़े करीब 500 से अधिक पंडाल तैयार किए जा रहे हैं। इसी तरह बिट्टन मार्केट में भी समिति ने पंडाल तैयार किया है। पंडाल के निर्माण का कार्य अंतिम चरणों में जारी है।

कोलार में पाइप लाइन फूटी, सप्लाई हुई प्रभावित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार क्षेत्र में पाइप लाइन फूट गई। इसके चलते क्षेत्र की कई कॉलोनियों में पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। वहीं पाइप लाइन की सप्लाई पिछले चार दिन से भी प्रभावित है। कोलार क्षेत्र में ही पाइप लाइन की शिफ्टिंग का काम भी किया जा रहा है। इससे भी क्षेत्र में पानी की सप्लाई प्रभावित हुई। कोलार सिक्स लेन के कारण पाइप लाइन फूटने से कई इलाकों में पानी सप्लाई बीते चार दिन से प्रभावित है। सिटी इंजीनियर अजय मालवीय ने बताया कि जिस जगह लीकेज है, वहां जेसीबी से काम नहीं हो सकता, क्योंकि पास में ट्रांसफार्मर है। इसको ठीक करने का काम किया जा रहा है। इधर, इंद्रपुरी में बीते 9 महीने से लोग गंदा पानी आने की शिकायत कर रहे हैं। अयोध्या नगर के कुछ इलाकों में भी लोगों ने गंदा पानी आने की शिकायत की है। जल कार्य विभाग नगर निगम के एसई उदित गर्ग ने बताया कि इसकी जानकारी लगी है, इसे जल्द ठीक कराया जाएगा।

वर्ष 2019 के बाद अब तक मतदाताओं में हुई 8.5 प्रतिशत वृद्धि

विधायक चुनने में पुरूषों से ज्यादा महिलाओं की रूचि, सूची में नाम जुड़वाने में आगे निकली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में विधानसभा चुनाव का ऐलान करीब है और अब मतदाताओं की संख्या भी तय हो गई है। सबसे दिलचस्प यह है कि विधायक चुनने में अभी से महिलाओं की खास रूचि दिख रही है। इसी का नतीजा है कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने में पुरूषों की तुलना में महिलाएं आगे निकल गई है।

भोपाल जिले की सातों विधानसभा में वर्ष 2019 में कुल नौ लाख पांच हजार 936 महिला मतदाता थीं।अब तक हुए मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान एक लाख पांच हजार 745 महिला मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। जिसके बाद संख्या बढ़कर 10 लाख 11 हजार 681 हो गई है।वर्ष 2019 में पुरुष मतदाताओं की संख्या 10 लाख 376 थी। अब तक 74 हजार पुरुष मतदाताओं के नाम जोड़े जाने से इनकी संख्या कुल 10 लाख 74 हजार 376 हो गई है।

कुल मिलाकर बीते 5 वर्षों में महिला मतदाताओं की संख्या में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।जबकि पुरुष मतदाताओं की संख्या में 6.88 प्रतिशत की वृद्धी हुई है। बुधवार को स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में कलेक्टर एवं निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया है। भोपाल जिले की सबसे बड़ी विधानसभा हुजूर में वर्ष 2019 से अब तक सबसे अधिक 59 हजार 827 मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। वर्ष 2019 में इस विधानसभा में कुल एक लाख 48 हजार 207 मतदाता थे, इनमें 59 हजार 827 मतदाताओं के जोड़ने पर अब यहां एक लाख 79 हजार 888 मतदाता हो गए हैं तो वहीं मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान लगभग 46 हजार 204 मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इनमें 23 हजार 968 पुरुष और 22 हजार 233 महिला मतदाता शामिल हैं। यहां भी नाम कटवाने में महिलाओं का प्रतिशत कम है।

भोपाल में मतदाताओं की संख्या हुई 20,86,231

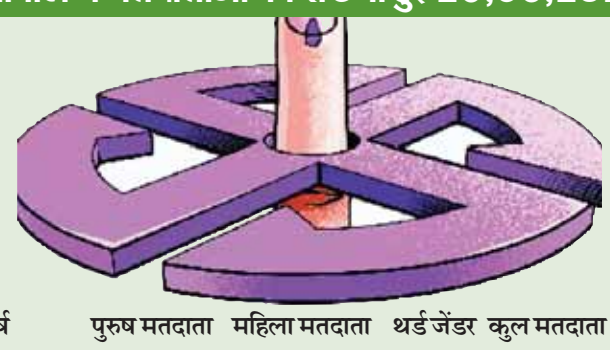

वर्ष	पुरुष मतदाता	महिला मतदाता	थर्ड जेंडर	कुल मतदाता
2019	1000376	905936	164	1907476
2023	1074376	1011681	174	2086231

विधानसभा अनुसार मतदाताओं की संख्या

विसक्षेत्र	पुरुष मतदाता	महिला मतदाता	थर्ड जेंडर	कुल मतदाता
बैरसिया	128604	119400	4	248008
उत्तर	123796	121849	7	245652
नरेला	180994	168464	14	349472
दक्षिण पश्चिम	119932	111904	13	231849
मध्य	127042	120843	112	247997
गोविंदपुरा	203556	189333	16	392905
हुजूर	190452	179888	8	370348
कुल	10,74,376	1011681	174	2086232

शिक्षक भर्ती: पदवृद्धि की मांग को लेकर पात्र अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा और ट्राइबल विभाग द्वारा की जा रही भर्ती 2018 एवं 2020 की प्राथमिक शिक्षक भर्ती के चयनित अभ्यर्थी लगातार पद वृद्धि और अपनी नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। इस भर्ती प्रक्रिया को पदवृद्धि के साथ पूर्ण कराने की मांग को लेकर शनिवार को अभ्यर्थियों ने सैकड़ों की संख्या में एकत्रित राजधानी के नीलम पार्क में प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अभ्यर्थियों ने बताया कि उच्च एवं माध्यमिक शिक्षक भर्ती पिछले 5 वर्षों से नाम मात्र के पदों पर चल रही है, जिसमें प्रथम एवं द्वितीय काउंसलिंग होने के बाद भी प्रत्येक विषय के हजारों पद खाली हैं। इनके लिए वित्त विभाग से बजट भी स्वीकृत होने के बावजूद अभी तक तीसरी काउंसलिंग शुरू नहीं की गई है। जबकि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने 18 मई 2018 को 62 हजार शिक्षक भर्ती की घोषणा की थी जिसमें से नाम मात्र के पदों पर भर्ती पूर्ण की गई है।

चुभने लगी धूप, हल्की सर्द हुई रातें

भोपाल। मप्र से अब लगभग मानसून की विदाई हो गई है। हालांकि प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश व बूंदाबांदी एक-दो दिन में हो सकती है। इधर राजधानी में मौसम साफ होने से दिन के समय में धूप तेज हो गई और चुभने लगी है। हालांकि मानसून की विदाई और ठंडी के दस्तक देने की भी शुरुआत होते दिख रही है। अब राजधानी में रात के समय में हल्की ठंडी का अहसास होने लगा है।

महिला से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को एक साल की जेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

महिला के साथ छेडछाड करने वाले एक आरोपी को न्यायालय ने एक साल के सश्रम कारावास और 1500 रूपए के जुर्माने से दंडित किया है। यह फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी चेतना दीक्षित की अदालत ने सुनाया है। लोक अभियोजन के अनुसार, न्यायालय ने प्रकरण में आरोपी नंदू चैधरी को दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाई है।

घटना 20 नवंबर 2014 की है। पीड़िता के मकान में आरोपी खिडकी ठीक करने के लिए आया था। उसने बोला कि मकान मालिक से बात हो गयी है। पीड़िता ने कहा कि मकान मालिक आ रही है, उनके आने पर काम करना तब तक बाहर बैठो और उसे बैठने के लिए कुर्सी दे दी। आरोपी बाहर बैठ गया। जब पीड़िता घर के अंदर काम करने लगी तो आरोपी घर के अंदर आ गया और उसे पकड लिया। जब पीड़िता बाहर भागी और आवाज लगाई तो आरोपी भाग गया।

मेट्रो एंकर | 56 लोग हमीदिया अस्पताल की मांग पर भी दे चुके हैं रक्त

निरंकारी रक्तदान शिविर, 525 लोगों ने किया ब्लड डोनेट

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत निरंकारी चेरिटेबल फाउण्डेशन ने जोनल इंचार्ज अशोक जुनेजा एवं संयोजक महेश वीधानी के मार्गदर्शन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। मुख्य मार्ग स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन संतनगर में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया । शिविर में 525 से अधिक लोगों ने रक्त दान किया। इससे पहले एक माह पहले हमीदिया ब्लड बैंक की डिमांड पर 56 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया था।

शनिवार को सुबह से ही रक्तदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें लगी निरंकारी भवन के सामने लगी हुई थी । जहां एक छोटी सी सुई भी चुभने से दर्द होता है वहीं यह पीड़ति मानवता की सेवा करने वाले हस हस कर अपना हाथ आगे कर रहे थे कि पहले मेरा रक्त लो क्योंकि वो जानते है कि यह रक्त निश्चित रुप से किसी की जान बचाएगा और जो रक्त दान करता है निश्चित रुप से उनकी पीढ़ियां सुखों की भागीदार बनती है। मिशन के भक्तों के लिए रक्तदान पहले से ही जनकल्याण की सेवा भाव में एक अभिन्न अंग रहा है। बाबा हरदेव सिंह जी के कहे अनुसार रक्त नालियों में नहीं नाड़ियों में बहे। इस संदेश को मिशन के अनुयाइयों ने निश्चित रुप से चरितार्थ किया है जिसे वर्तमान में माता सुदीक्षा जी महाराज के निर्देशानुसार निरंतर आगे बढाया जा रहा हैं। इस दौरान शहर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। शिविर की व्यवस्था संयोजक महेश वीधानी, संचालक अशोक नाथानी, लक्ष्मणदास नाथानी, पुरषोत्तम मूलानी सहित सेवा दल के भाई - बहनों द्वारा की गई ।

हिन्दी निबंध प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत, मोहिनी प्रथम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आयोजित राजभाषा हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता के विजेता को पुरस्कृत किया गया। प्रथम स्थान पर मोहिनी मेहरा, द्वितीय स्थान पर शिवानी राठौर एवं तृतीय स्थान पर सृष्टि मिश्रा को पुरस्कृत किया गया।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की हिन्दी अधिकारी सुनीता गौतम, वरिष्ठ अधिकारी अनील टिलवानी एवं मंजु रायकवार, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी द्वारा पुरस्कृत किया। सुशील वासवानी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम हमारे विद्यालय में समय समय पर होते रहने चाहिए जिससे विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन होता रहे। संस्था के सचिव चेलानी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में मानसिक विकास होता है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा, उपप्रचार्या मीनल नरयानी, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम उपस्थित थे।

अब दस अक्टूबर से ऑनलाइन आवेदन शुरू होंगे

10 हजार रूपए भरकर करा सकेंगे स्कूल मान्यता का नवीनीकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पहलीं से आठवीं की मान्यता नहीं लेने वाले प्रायवेट स्कूलों दस हजार रुपए भरकर मान्यता का नवीनीकरण करा सकते है। मान्यता आवेदन नहीं कर पाने वाले स्कूलों यह विशेष अवसर दिया गया है। यानि शैक्षणिक सत्र 2025-25 की मान्यता के लिए अब पांच अक्टूबर के बजाय दस अक्टूबर से आनलाइन आवेदन शुरू होंगे।

इस संबंध में गुरुवार को संचालक राज्य शिक्षा केंद्र धनराजू एस ने निर्देश जारी कर दिए है। वर्तमान सत्र की मान्यता नहीं लेने वाले स्कूलों को विशेष मान्यता के लिए दस अक्टूबर तक का समय दिया गया है। मान्यता नहीं लेने वाले स्कूलों की स्वतः ही अगले सत्र 2024-25 से मान्यता समाप्त हो जाएगी। विशेष अवसर देने के कारण राज्य शिक्षा केंद्र ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मान्यता के आनलाइन आवेदन करने की तिथि भी बढ़ा दी है। अब ऑनलाइन आवेदन भरना दस अक्टूबर से शुरू होंगे।

करीब पंद्रह सौ स्कूलों ने मान्यता का नवीनीकरण नहीं कराया

दरअसल पहली से आठवीं की शैक्षणिक सत्र 2024-25 की प्रायवेट स्कूलों की मान्यता के लिए राज्य शिक्षा केंद्र ने एक सप्ताह पहले आदेश जारी जारी कर पांच अक्टूबर से आनलाइन आवेदन भरने की समय सारिणी जारी की थी। इस दौरान देखने में आया कि प्रदेश भर में करीब पंद्रह सौ स्कूलों ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 की मान्यता का नवीनीकरण नहीं कराया है। इसे देखते हुए राज्य शिक्षा केंद्र ने ऐसे स्कूलों को विशेष अवसर दिया है। ऐसे स्कूल दस हजार रुपए जमा कर मान्यता ले सकते है।

स्कूलों को मिले स्थायी मान्यता, सत्र समाप्ति तक भुगतान हो अनिवार्य

भोपाल। आरटीई के तहत फीस प्रतिपूर्ति, मान्यता में समस्याओं सहित विभिन्न मांगो के निराकरण को लेकर बुधवार को प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन मप्र द्वारा प्रेसवार्ता आयोजित की गई है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग कक्षा पहली से बारहवी तक स्थायी मान्यता प्रदान करे तथा कक्षा पहली से आठवी की मान्यता में एफ.डी.आर की अनिवार्यता को समाप्त किया। स्कूलों को मान्यता के लिए रजिस्टर्ड किरायानामा अनिवार्य कर दिया गया है, जो कि पूर्व में नहीं था। इसे पूर्ववत किया जाए। स्कूलों के लिए मान्यता शुल्क समाप्त किया जाए। अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा के अन्तर्गत संस्थाओं को अन्य राज्यों की अपेक्षा कम फीस प्रतिपूर्ति की जाती है। अतः अन्य राज्यों के बराबर एवं सत्र समाप्ति तक भुगतान करना अनिवार्य किया जाए। निजी स्कूलों के बच्चों को भी शासकीय योजनाए जैसे ई-स्कूटी एवं मेडिकल तथा जे.ई.ई. का लाभ दिया जाए। अजीत सिंह ने कहा कि अब सम्पूर्ण म.प्र. के संचालक आगामी चुनाव में एक साथ लामबंद होकर तटस्थ रहेंगे।

निजी स्कूलों ने रखी मांग, रजिस्टर्ड किरायानामा की भी अनिवार्यता हो समाप्त

सिर्फ आश्वासनों के भरोसे काम पर लौटे बिजली अधिकारी, इंजीनियर व कर्मचारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आरपार की लड़ाई लड़ने का दावा कर काम बंद करने वाले बिजली कंपनी के अधिकारी, इंजीनियर और कर्मचारी शनिवार शाम को काम पर लौट गए हैं। जिसके कारण उपभोक्ताओं की मुश्किलें कम होना शुरू हो गई है।

सरकार के प्रतिनिधियों और यूनियन के कर्मचारियों के बीच विभिन्न विषयों को लेकर हुई बातचीत और कुछ मांगों पर मिले आश्वासन के बाद हड़ताल खत्म की गई है। हालांकि जिस यूनियन के पदाधिकारी जिस तरह से मांगों को लेकर आदेश जारी कराने को लेकर अड़े थे, वैसा कुछ भी नहीं हुआ है। फिर भी ठोस बातचीत हुई है, जिसका असर आने वाले समय में देखने को मिल सकता है। असल में इस बार तीनों वितरण कंपनियों और उत्पादन व मैंनेजमेंट समेत अन्य कंपनियों के लोग भी हड़ताल में शामिल हो गए थे। जिसकी वजह से सरकार की सांस फूल गई थी। व्यवस्थाएं चरमराने लगी तब सरकार ने संज्ञान लिया और बातचीत शुरू की थी।

ये अधिकारी, इंजीनियर व कर्मचारी इस बात से नाराज हैं कि उन्हें महंगाई भत्ते का लाभ नहीं मिला, अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण अटके हैं। वेतन विसंगति दूर नहीं की जा रही है, एरियर की राशि रोककर रखी है। आउटसोर्स व संविदा कर्मचारियों के हितों की चिंता नहीं है। क्रमोन्नति, पदोन्नति का पता नहीं है। तबादला नीति में कई खामियां हैं। पुरानी पेंशन पर कोई बातचीत नहीं हो रही है, नई पेंशन का कोई फायदा ही नहीं हो रहा है। खाली पदों का काम भी मौजूदा लोगों को ही करना पड़ रहा है।

इन सभी मांगों को लेकर ये पूर्व में भी अधिकारियों से मिल चुके थे, मंत्री को सबकुछ बता चुके थे तब भी निराकरण नहीं निकल रहा है। इनमें से ज्यादा अधिकारी, कर्मचारियों का कहना था कि उर्जा विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे उनकी एक बात नहीं सकते। फाइल दबाकर बैठ जाते हैं। अभियंता संघ से विकास शुक्ला, यूनाइटेड फोरम से वीकेएस परिहार, लोकेंद्र श्रीवास्तव, आरएस कुशवाहा, दुर्गेश दुबे एवं पावर इंजीनियर एंपलाई से कुलदीप गुर्जर ने कहा है कि आश्वासनों को सरकार पूरा करेगी, ऐसी अपेक्षा है। यदि नहीं किया तो आगे रणनीति बनाएंगे।

वेतन पुनरीक्षण नियम में सुधार करना भूला वित्त विभाग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। मप्र वेतन पुनरीक्षण नियम 2009 के नियम 10 में सुधार नहीं किया गया है। इसके कारण प्रदेश के पेंशनरों और सेवारत सरकारी कर्मचारियों को लाखों रुपए का नुकसान हो रहा है। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी एवं प्रांताध्यक्ष आमोद सक्सेना ने बताया कि मुख्य सचिव एवं वित्त सचिव को ज्ञापन देकर अनुरोध किया है कि मध्यप्रदेश वेतन पुनरीक्षण नियम 2009 के नियम 10 में सुधार कर पुनः वेतन निर्धारण कर भुगतान करने के आदेश जारी किए जाएं।

पेंशनर और सरकारी कर्मचारियों को लाखों का नुकसान

वित्त विभाग ने नहीं की कार्रवाई : एसोसिएशन के संरक्षक जोशी ने आरोप लगाया कि इस संबंध में वर्ष 2014 में कई बार तत्कालीन मुख्यमंत्री, अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग एवं प्रमुख सचिव, वित्त को मध्यप्रदेश वेतन पुनरीक्षण नियम 2009 के नियम 10 में संशोधन कर लाभ प्रदान किए जाने की मांग की गई। लेकिन वित्त विभाग द्वारा आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं करने के कारण प्रदेश के पेंशनरों एवं सेवारत शासकीय सेवकों को भारी आर्थिक क्षति हुई है।

13 से 18 माह बाद मिली वेतनवृद्धि : आमोद सक्सेना ने बताया कि नियम 10 में सुधार नहीं करने के कारण प्रदेश में पेंशनरों एवं सेवारत शासकीय सेवकों को 13 से 18 माह बाद वेतन वृद्धि मिली है, जो संवैधनिक नहीं है। सभी राज्यों ने भारत सरकार के उपरोक्त परिपत्रानुसार वेतन निर्धारण किया है। इसमें उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ ने पुनरीक्षण नियम में सुधार के बाद वेतन निर्धारण कर 1 जुलाई 2006 को वेतनवृद्धि का लाभ दिया है। सक्सेना ने इस विषयक शीघ्र आदेश जारी करने शासन से मांग की है।

चुनाव हुए

भोपाल। भोपाल के महात्मा जोतीराव फुले भवन में जाट समाज के अध्यक्ष पद के चुनाव हुए। इस दौरान सदस्यों ने मतदान किया।

कार्य मुक्ति का आदेश 24 घंटे में बदला, अब कार्यमुक्त नहीं होंगे अतिथि शिक्षक

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद भी डीपीआई ने कार्यमुक्त करने के जारी किए थे आदेश

भोपाल। अतिथि शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर है। हाल ही लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी कार्य मुक्ति के आदेश स्थगित हो गए है। डायरेक्टर डीपीआई डीएस कुशवाह ने 24 घंटे के अंदर इस अपना आदेश बदल दिया है। बीते दिनों इस संबंध में एक नया आदेश जारी किया है। जिसमें लिखा गया कि 3 अक्टूबर 2023 के द्वारा दिए गए निर्देशों का क्रियान्वयन आगामी आदेश तक स्थगित किया जाता है। इस आदेश के बाद अब मध्य प्रदेश में किसी भी ट्रांसफर या प्रमोशन के कारण किसी नियमित शिक्षक के आ जाने पर, अतिथि शिक्षक को कार्य मुक्त नहीं किया जाएगा। इससे अतिथि शिक्षकों को बड़ी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने अतिथि शिक्षकों को शिक्षा सत्र के बीच में कार्य मुक्त करने से मना करने की घोषणा की थी। इसके बाद भी लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक डीएस कुशवाह ने मध्यप्रदेश के समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं संकुल प्राचार्य के नाम संबोधित रिमाइंडर लेटर 3 अक्टूबर को जारी किया था।

6 हजार करोड़ की 18 सिंचाई परियोजनाएं मंजूर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र के किसानों की समृद्धि और आय बढ़ाने के उद्देश्य से 12 से अधिक जिलों के लिए 6 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली 18 सिंचाई परियोजनाएं मंजूर की गई। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद मप्र के 12 से अधिक जिलों के 1250 गांवों की 2 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षेत्र में वृद्धि होगी। इन परियोजनाओं से करीब 2 लाख किसान लाभान्वित होंगे। कृषि उपज की पैदावार अधिक होने से किसान समृद्ध होंगे और क्षेत्र में खुशहाली आएगी। यह बात भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश महामंत्री व सांसद कविता पाटीदार ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय पर आभार जताते हुए कही। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री चौहान के नेतृत्व में भाजपा सरकार गरीबों, दलितों, आदिवासियों के साथ, युवाओं और माताओं-बहनों, समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है।

प्रदेश के 12 से अधिक जिलों के किसानों को फायदा

4500 अतिथि विद्वानों को अब 1500 से बढ़कर मिलेंगे 2 हजार

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अतिथि विद्वानों के लिए की गई घोषणा के संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। प्रदेश के सरकारी महाविद्यालयों में कार्यरत करीब 4500 अतिथि विद्वानों को अब 1500 से बढ़ाकर प्रतिदिन दो हजार रुपए मानदेय मिलेगा। इसके साथ ही उनका मासिक मानदेय प्रतिमाह 50 हजार रुपए होगा। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। यह एक अक्टूबर से लागू होगा।

बता दें मुख्यमंत्री ने 11 सितंबर को अतिथि विद्वानों की महापंचायत में 50 हजार रुपए मासिक वेतन देने की घोषणा की थी। हालांकि इस आदेश से अतिथि विद्वानों में नाराजगी है। उनका कहना है कि विभाग द्वारा जारी आदेश में प्रतिदिन के हिसाब से मानदेय मिलने से 50 हजार रुपए से कम मानदेय होगा, जबकि मुख्यमंत्री ने निश्चित मासिक वेतन 50 हजार रुपए तक देने की घोषणा की थी।

मेट्रो एंकर बार-बार सूचना के बाद भी नहीं दिया जवाब, अब जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी

आयोग ने आदिवासी वित्त विकास निगम के महाप्रबंधक को थमाया शो-कॉज नोटिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र मानव अधिकार आयोग द्वारा एक मामले में कई बार-बार सूचना देने के बाद भी जवाब न देने के चलते म.प्र. आदिवासी वित्त विकास निगम के महाप्रबंधक एम.के. मालवीय को आयोग द्वारा कारण बताओ नोटिस एवं पांच हजार रूपए का नामजद जमानती गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया है। नोटिस एवं वारंट की तामीली अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय, पुलिस भोपाल जिला भोपाल जरिये कराई जाएगी। इसके साथ ही आयोग ने 26 अक्टूबर 2023 को आयोग में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण व प्रतिवेदन देने के आदेश मालवीय को दिए हैं।

यह है पूरा मामला

आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, एक आवेदक ने मप्र आदिवासी वित्त एवं विकास निगम के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के द्वारा उन्हें ऐरियर्स कम दिए जाने की शिकायत आयोग के समक्ष की थी। प्रकरण में प्रतिवेदन प्राप्त ना होने पर कई स्मरण पत्र एवं व्यक्तिगत नाम से पत्र जारी करने के बावजूद नियत अवधि में न तो कोई प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया और न ही इस सम्बन्ध में कोई कारण बताया गया। नतीजन आयोग ने व्यवहार प्रक्रिया संहिता की धारा 32 (ग) के अन्तर्गत एम.के. मालवीय को दिनांक 26 अक्टूबर 2023 को आयोग में उपस्थित होने का आदेश दिया गया है। उपस्थित न होने पर उन्हें जमानती गिरफ्तारी वारण्ट भी आयोग द्वारा जारी किया गया है।

आयोग ने 7 मामलों में भी लिया संज्ञान, अधिकारियों से मांगा जवाब

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के सात मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला छोला मंदिर थानाक्षेत्र में बाइक सवार युवक द्वारा नव विवाहिता से घर में घुसकर छेड़छाड़ के मामले में पुलिस आयुक्त से 15 दिन में जवाब मांगा है। इसके साथ ही आयोग ने कोलार के वार्ड 80 स्थित बीमाकुंज में बाजार में कोलार सिक्स लेन की खुदाई के कारण सीवेज का एक बड़ा चैंबर फोड़ने, गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के हॉस्टल में दूषित पानी के कारण एक माह में 17 जूनियर डॉक्टर और 7 सीनियर डॉक्टर के हेपेटाइटिस ए की चपेट में आने, जय प्रकाश जिला अस्पताल में भर्ती होने वाले बुजुर्ग और गंभीर मरीज अधिकारियों की लापरवाही के चलते सीढ़ियां चढ़ने के लिए मजबूर होने, कमला नगर में एक शातिर बदमाश द्वारा अड़ीबाजी कर रूपए मांगने, लो फ्लोर बसों में ठेकेदारों की मनमानी की वजह से प्रतिदिन हजारों यात्रियों के परेशान होने और आईएसबीटी परिसर में लिफ्ट बंद होने के मामले में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई करने के साथ प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिए हैं।

निस्तब्धता का तिलिस्म, लौटकर आने के इशारे

आशीष दुबे

सन्नाटों के अपने स्वर होते हैं और अपनी ही भाषा। यदि कोई इसे पढना और सुनना-समझना चाहता हो तो उसे मप्र के पचमढ़ी भी आना चाहिए। वैसे तो भारत में कई पर्वत श्रंखलाएं हैं,चाहे उत्तराखंड हो या हिमाचल, दक्षिण भारत हो या लद्दाख तथा सभी एक अलग माहौल व विशेषताओं को सहेजे हैं। इनमें यदि एक चीज समान है तो वह है खूबसूरती,एकांत व शुध्दता। इसी तरह करीब साढे तीन हजार फीट की ऊंचाई पर शांत और अलसाया-सा पचमढ़ी भी सम्मोहित कर देता है, अपनी तरफ खींचता है। कहते हैं कि, जब कोई धार्मिक नगरी बनारस जाता है तो उसे वैराग्य महसूस होता है। मगर बनारस की ही तरह पचमढी में भी शंकर हैं, पांडवों के पड़ाव- चिन्ह भी हैं, बावजूद पचमढ़ी के प्राकृतिक सौंदर्य का जादू कुछ ऐसा है कि वह जिंदगी और प्रकृति से मोहब्बत को ले जाने वाली जिप्सियां भी घुमावदार सड़कों पर दौड़ती हैं लेकिन पचमढी के साथ एकाकार पैदल सफर में ज्यादा गहराई से होता है, तब यहां की निस्तब्धता और शुध्दता को बहुत करीब से समझा जा सकता है। यहां प्राकृतिक झरने थकान मिटाते हैं।

पचमढ़ी की कुल आबादी बमुश्किल दस हजार भी नहीं है, लेकिन लगभग इतने ही पर्यटक यहां हर रोज मौजूद भी रहते हैं। एक बड़ा हिस्सा सेना की छावनी होने से यह अंधाधुंध शहरीकरण व कांक्रीटीकरण से मुक्त भी है। यहां के लोगों से बात की जाए तो महसूस होता है कि उन्होंने अपने कस्बे के समूचे ताने-बाने से तादात्म्य बैठा लिया है। हालांकि हाल के कुछ साल में स्थानीय प्रशासन व सरकार ने पचमढी को जरूरी सुविधाओं से लैस करने या यहां के आकर्षण में इजाफे के लिये कुछ अतिरिक्त प्रयास किये हैं। पर्यटन महकमा अपने मिजाज के मुताबिक स्वाभाविक ही इसका पूरा दोहन करना चाहता है, जाहिर है इन सभी के लिए अधोसंरचनाओं के सीमेंटी संजाल की जरूरत होगी, लेकिन कुछ स्थानीय लोग व अक्सर यहां आने

वाले पर्यटक आशंकित भी नजर आते हैं। इनका कहना है कि कहीं ऐसा न हो जाए कि एक प्राकृतिक पर्यटन स्थल मैन मेड टूरिस्ट स्पॉट बना दिया जाए, जैसे देश के कई शहरों में हुआ है। यानि लोग चाहते हैं कि पचमढ़ी के लिए कुछ बंधन भी बने रहें तथा असीमित आजादियों की उड़ानें भी नियंत्रित रहें।

फिर पचमढ़ी की खामोशी पर लौटें तो वह वैसी ही नीरवता में रमी रहना चाहती है, जैसी अब तक बची हुई है। सच भी यही है, हर शय को उसके वास्तविक स्वरूप में रहने दिया जाए तो ज्यादा प्रभावशाली व सुंदर हो जाती है। पचमढ़ी अपने पहाड़ों,घुमावदार रास्तों,पगडंडियों,गहरी घाटियों, दूर- दूर स्थित अंग्रेज शैली के पुराने बंगलों, रेस्ट हाउस,गेस्ट हाउस की रचनाओं से ही मुकम्मल है और तृप्त भी। जटाशंकर पर मौजूद गाइड कमलेश बताता है कि, वह एम कॉम कर चुका है लेकिन यही काम उसे ज्यादा भाता है। हालांकि वह एक मार्के की बात कहता है- आपको अन्य शहरों या टूरिस्ट प्लेस की तरह तीन चीजें यहां नहीं मिलेंगी, वह हैं- चोर,गधे और भिखारी। वाकई उसकी बात काफी सही लगती है। यदि यह पूरी तरह सच है तो इस विशेषता को भी सहेजा जाना चाहिए।

सिखा देती है। यह मोहब्ब्त भी इस कदर कि, जब यायावर मिजाज का कोई मुसाफिर पचमढ़ी से विदा लेता है तो पलटकर देखने पर वही पचमढ़ी उसे फिर लौटने का इशारा करती नजर आती है।

इस वक्त यूं तो देशभर में अक्टूबर से पर्यटन का अधिकारिक मौसम शुरू हो गया है, लेकिन पचमढ़ी इस तरह के मौसमी बंधनों से भी मुक्त है, वह बारिश में भी आकर्षित करती है और सर्दी गर्मी में भी। बशर्ते यहां पहुंचने वाले में धैर्य तथा कुदरत को समझने की उत्सुकता हो। सतपुड़ा पर्वत श्रेणी के पहाड़ पचमढी में पूरी बुलंदी से खड़े हैं, लगभग साल भर हरे भरे रहने वाले घने यहां के पहाड़ों व जंगलों को जैसे अपने पर कोई अभिमान नहीं। वे शांत रहते हैं और कभी इनके अपनी जगह से टस से मस होने की भी खबरें नहीं आती हैं। यहां की ठंडी हवा बहुत आहिस्ता चलती हैं उनमें सरसराहट नहीं सुनाई देती, सब कुछ थमा हुआ सा लगता है। पत्थरों का रास्ता काटती पतली लताएं हर तरफ नजर आती हैं। कभी कुछ पेड़ आसमान को छूते दिखाई देते हैं तो कुछ पगडंडियों के बिलकुल करीब आ बैठते हैं, मानो चुपके से आपके कानों में कुछ कहना या आपसे कुछ सुनना चाहते हैं। हालांकि पर्यटकों

देर से ही सही, प्रतिभा की कद्र तो हुई

प्रदीप सरदाना

भारतीय सिनेमा की बेहद खूबसूरत अभिनेत्री वहीदा रहमान को दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिलना निश्चय ही सुखद है। वहीदा रहमान ने अपने 68 बरस के करिअर में करीब 100 फिल्मों में काम किया है। जिनमें कई शानदार कालजयी फिल्में भी हैं। अपने अभिनय, नृत्य और अंदाज़ से वहीदा रहमान ने देश के ही नहीं, दुनिया के कई देशों के फिल्म प्रेमियों को बरसों सम्मोहित किया है। उनके साथ नायक रहे कई नायकों को भी फाल्के सम्मान कई बरस पहले मिल गया था। इसलिए दिग्गज अभिनेत्री वहीदा रहमान को अब तक फाल्के न मिलना, उनके प्रशंसकों को खटकता ही था।पिछले बरस उनके जन्म दिन 3 फरवरी पर इंटरव्यू के दौरान उनसे फाल्के सम्मान न मिलने के बारे में पूछा तो वे बोलीं, 'मैं भाग्य पर विश्वास रखती हूं। जो नहीं मिला उसका कोई अफसोस नहीं मनाती। हालांकि मुझसे बहुत लोग कहते हैं कि मुझे फाल्के सम्मान नहीं मिला। अब नहीं मिला पर मैं कुछ नहीं बोल सकती।' हालांकि उनके मन में भी यह बात तो थी कि उन्हें फाल्के नहीं मिला। इसलिए अब फाल्के मिलने पर प्रतिक्रिया जाननी चाही तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'देर आयद दुरुस्त आयद!'

अब जब सूचना प्रसारण मंत्रालय की ओर से वहीदा रहमान को वर्ष 2021 के लिए 53वां फाल्के सम्मान देने की घोषणा की गयी तो सभी के शिकवे-शिकायत दूर हो गए। दिलचस्प बात यह भी रही कि वहीदा को यह पुरस्कार देने की घोषणा जब 26 सितंबर को की गयी उस दिन देश देव आनंद के 100वें जन्मदिन का जश्न मना रहा था। वहीदा रहमान की पहली हिन्दी फिल्म 'सीआईडी' के नायक तो देव आनंद थे ही। साथ ही देव और वहीदा दोनों की स्क्रीन केमिस्ट्री भी बेहद शानदार रही है। दोनों ने सोलवां सावन ,काला बाज़ार, रूप की रानी चोरों का राजा और बात एक रात की जैसी फिल्मों में भी साथ काम किया। साथ ही कालजयी फिल्म 'गाइड' देव आनंद और वहीदा दोनों के कैरियर की सबसे बेहतरीन फिल्म है। फिल्म में राजू गाइड का देव आनंद का किरदार हो या वहीदा रहमान का रोजी वाला किरदार, दोनों इतने खूबसूरत रहे कि इस फिल्म की धूम सात समंदर पार तक रही। उधर जब देव आनंद ने 1970 में फिल्म 'प्रेम पुजारी' से निर्देशन में कदम रखा तब भी उन्होंने वहीदा को ही अपनी नायिका चुना। इसलिए कह सकते हैं भारत सरकार ने देव आनंद के जन्म दिन पर वहीदा को फाल्के सम्मान देकर उन्हें उपहार भेंट कर दिया।

वहीदा ने भी अपने खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा, 'जन्मदिन देव साहब का है और तोहफा मुझे मिल गया है।' देव आनंद के अलावा वहीदा की जोड़ी अभिनेता गुरुदत्त के साथ खूब जमी। वहीदा की पहली फिल्म 'सीआईडी' में तो गुरुदत्त निर्माता थे। लेकिन बाद में गुरुदत्त ने वहीदा के साथ प्यासा, कागज के फूल, चौदहवीं का चांद और साहिब बीवी और गुलाम जैसी जो फिल्में कीं वे हिन्दी सिनेमा की अविस्मरणीय फिल्में हैं।

यूं वहीदा रहमान ने अपने दौर के जिन और मशहूर नायकों के साथ काम किया, उनमें अशोक कुमार, राज कपूर, दिलीप कुमार, धर्मेन्द्र, मनोज कुमार, सुनील दत्त, राजेन्द्र कुमार, राज कुमार, शशि कपूर, विश्वजीत, राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन शामिल हैं। नायिका के रूप में वहीदा की बेहतरीन फिल्मों में बीस साल बाद, कोहरा, दिल दिया दर्द लिया, राखी, कौन अपना और कौन पराया, पत्थर के सनम, राम और श्याम, आदमी, धरती, मुझे जीने दो, रेश्मा और शेरा, तीसरी कसम, फाल्गुन और खामोशी भी हैं। साथ ही कभी-कभी, त्रिशूल, अदालत, धर्मकांटा, नसीब, नमकीन, सवाल, नमक हलाल, हिम्मतवाला, चांदनी, लम्हे, रंग दे बसंती, दिल्ली-6, लव इन बॉम्बे और विश्वरूपम उनकी दूसरी पारी की वे उल्लेखनीय फिल्में हैं जिनमें उनका किरदार चरित्र अभिनेत्री का रहा। यूं 2021 में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की एक फिल्म 'स्केटर गर्ल' में वहीदा रहमान ने काम किया था।

इससे पहले भी वहीदा को कई सम्मान मिल चुके हैं। पद्मश्री तो इन्हें 1972 में ही मिल गया था जबकि पद्मभूषण 2011 में। ऐसे ही फिल्म 'रेश्मा और शेरा' के लिए इन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिल चुका है। उधर 1962 में फिल्म 'साहिब बीवी और गुलाम' तथा 1968 में 'नील कमल' के लिए वहीदा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर भी मिला। साथ ही 1994 में फिल्म फेयर ने इन्हें अपने लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से भी नवाजा। बड़ी बात यह भी है कि फिल्म 'गाइड' के लिए इन्हें शिकागो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड मिला।

तीन फरवरी, 1938 को चेन्नई के निकट जन्मी वहीदा अपने परिवार में चार बहनों में सबसे छोटी थीं। जब वह फिल्मों में आयीं तब उनकी उम्र 16 साल थी। अब वह 85 बरस की हो गयी हैं। लेकिन दिलचस्प यह है कि अपनी बढ़ती उम्र की परवाह किए बिना वहीदा रहमान अपनी दो खास सहेलियों आशा पारेख और हेलन के साथ खूब मस्ती करती हैं। देश-विदेश की यात्रा करती हैं। वहीदा कहती हैं, 'मुझे रोमांच खूब लुभाता है। खासकर गहरे पानी में गोता लगाने का खेल तो मुझे बहुत पसंद है।'

सुपर ओवर नहीं मिला तो क्या चांद पर अपने भी दो बस गए हैं

भारत में वर्ल्ड कप शुरू हो गया है, जाहिर है कि डेढ़ महीने तक लोगों के दिल में क्रिकेट की पारी ही चलेगी। लेकिन हम अपने चंद्रयान-3 को याद करें तो इसे चांद पर दूसरी पारी खेलने का मौका नहीं मिल पाया है। 23 अगस्त को सॉफ्ट लैंडिंग के बाद 14 दिनों तक सब ठीक चला था लेकिन दो सप्ताह की रात के बाद भारत के दोनों बैट्समैन विक्रम लैंडर और रोवर प्रज्ञान नींद से अब तक नहीं जागे हैं। वहीं अब चांद पर 14 दिन के दिन के बाद अब दूसरी बार फिर दो सप्ताह की रात हो गई है। यह रात बेहद सर्द होती हैं। मगर भारत के इस ऐतिहासिक मिशन में निराश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि विक्रम और प्रज्ञान को धरती के 14 दिनों (चांद के एक दिन) के लिए ही भेजा गया था। इसके बाद अगर ये अपना काम करते तो क्रिकेट की भाषा में यह सुपर ओवर होता तथा भारत को अंतरिक्ष व चांद के कुछ और गूढ़ रहस्य मिल जाते।

विक्रम प्रज्ञान को स्लीप मोड में डाले जाने के बाद इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा था कि अंतरिक्ष एजेंसी दोनों के जागने के लिए अंतिम दिन तक इंतजार करेगी क्योंकि एक छोटा सा मौका भी इसरो को विक्रम और प्रज्ञान के जरिए एक्सपेरिमेंट दोहराने का अवसर देगा। हालांकि पौने चार लाख किमी दूर भारत के तीसरे मून मिशन को सुपर ओवर नहीं मिला। हालांकि इसीलिये करोड़ों भारतीय कामना कर रहे थे कि चमत्कार हो,विक्रम व प्रज्ञान नींद से जागें। ऐसा हो

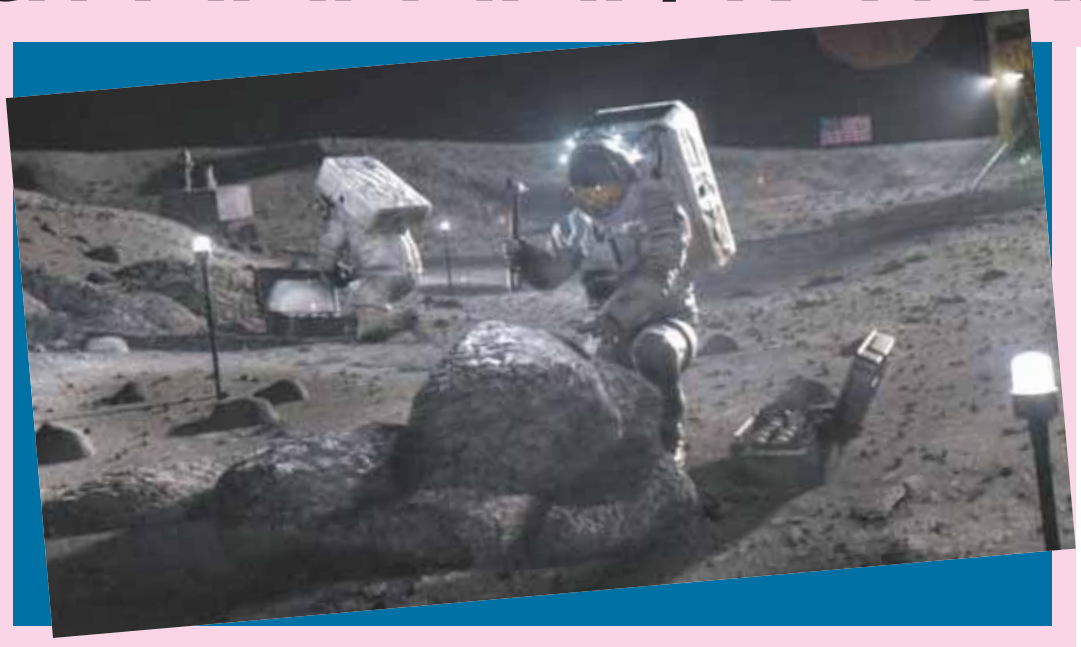

जाता तो यह इसरो का बोनस होता। फिर भी विक्रम और प्रज्ञान ने भारतीयों को जो उत्साह और गौरव के पल महसूस कराए हैं उसे आने वाली पीढ़ियां भी याद रखेंगी। चांद की मुश्किल पिच पर इन दोनों धुरंधरों ने तय अपने सीमित ओवर में ही जबर्दस्त बैटिंग की। वे चांद पर अमर हो गए हैं। यह कुछ यूं होगा कि जब भी कोई भारतीय अंधेरी रात में चांद की तरफ देखेगा तो उसे महसूस होगा कि वहां भी दो अपने भी मौजूद हैं।

निष्कर्षों का इंतजार

चंद्रयान-3 के प्रमुख केंद्र यूआर राव सैटेलाइट सेंटर के निदेशक एम शंकरन ने कहा था लैंडर और रोवर नहीं उठे। अगली रात के बाद उनके फिर से जागने की संभावना बहुत कम है, फिर भी हम उस विकल्प को बंद नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विक्रम और प्रज्ञान दोनों ने एक मुश्किल पिच पर शानदार प्रदर्शन किया। प्रज्ञान काफी चला। वहां से तस्वीरें, जानकारियां, कई नए इलाकों के बारे में जानकारी और लैंडर ने फिर से साहसिक उड़ान भी भरी। दरअसल, चांद पर रात में तापमान -200 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। उसके बाद इंस्ट्रूमेंट के ऐक्टिव होने की संभावना कम रहती है। ऐसे में विक्रम और प्रज्ञान पेलोड से डेटा की मात्रा ज्यादा नहीं होती लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें पहले दिन काम करने पर जो मिला है उसका निष्कर्ष क्या आएगा।

जिला उद्योग केंन्द्र नर्मदा पुरम की भूमिका पर उठ रहे सवाल

उद्योग के लिए आवंटित भूमि का हो रहा है पार्किंग के लिए उपयोग

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र द्वारा औद्योगिक क्षेत्र किशनपुरा में जिन उद्यमियों को उद्योग के लिए भूमि आवंटित की गई है उनमें से कई उद्यमी ऐसे हैं जिन्होंने जी उद्योग के लिए भूमि आवंटित कराई है वह उद्योग न लगाकर अन्य दूसरे कार्यों में भूमि का उपयोग कर रहे हैं।

महाप्रबंधक उद्योग द्वारा इन अनियमिताओं को लेकर नोटिस तो जारी किए गए लेकिन नोटिस पर कोई संतुष्टि पूर्ण जवाब न मिलने के बावजूद भी उद्योग केंद्र द्वारा इन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही. कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि विभागीय अफसर के तालमेल से यह सब गोरख धंधा बरसों से जारी है.मात्र नोटिस जारी करना ही अपना कर्तव्य समझ रहा

मामला औद्योगिक क्षेत्र हाउसिंग बोर्ड स्थित सरवाइट स्कूल का 35 वर्षों में भी नहीं कर पाया उद्योग विभाग कार्रवाई

है विभाग। किशनपुरा उद्योग क्षेत्र में सरवाइट टेक्निकल इंडस्ट्रीज के नाम से सोसाइटी ऑफ सिस्टर्स द्वारा उद्योग विभाग से पिकल बिस्किट पापड़ होजरी और रेडीमेड गारमेंट निर्माण हेतु औद्योगिक क्षेत्र किशनपुरा में भूखंड क्षेत्रफल 16800 वर्ग फीट आवंटन आदेश क्रमांक 5015 दिनांक 15/ 07 /1988 द्वारा आवंटित की जाकर दिनांक 19/08/1988 को उद्योग विभाग और उद्यमी के मध्य लीजडील निष्पादित की गई और 01/09/1988 को उपरोक्त भूखंड का आधिपत्य प्राप्त किया गया। निष्पादित लीजडील की कण्डिका अनुसार आवंटित भूखंड का पूर्ण उपयोग तीन वर्षों में करना था परंतु उद्यमी द्वारा मात्र 2000-2500 हजार वर्ग फुट भूमि का उपयोग किया जा रहा है जो की लीज डील का स्पष्ट उल्लंघन है। इस भूमि का उपयोग विनिर्माण गतिविधियों हेतु करना था परंतु उद्यमी द्वारा भूखंड का अधिकतम भाग सर्वाइट स्कूल के पार्किंग के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। निष्पादित लीजडील की कण्डिका क्रमांक 7 (ड्ड) के अनुसार इकाई द्वारा आवंटित भूमि का पूर्ण उपयोग नहीं किया जाता है तो शेष भूमि को विभाग को बिलंब सौंपे जाने के प्रावधान है। लेकिन इतने वर्षों बाद भी विभाग द्वारा भूमि वापस लेने को लेकर कोई कार्रवाई नहीं किया जाना आश्चर्यजनक है। क्या मात्र नोटिस जारी कर देना ही विभाग का काम रह गया है। सरवाइट टेक्निकल इंडस्ट्रीज के नाम से आवंटित भूमि को 35 वर्ष हो चुके हैं लेकिन इतने वर्षों बाद भी विभाग द्वारा इस पर कोई आवश्यकता पूर्ण कार्रवाई नहीं की गई। मात्र नोटिस जारी करके उद्योग विभाग अपनी जिम्मेदारियां से पल्ला झाड़ लेता है। 27/ 03/ 2023 को भी जिला महाप्रबंधक कैलाश माल के हस्ताक्षर से उक्त उद्यमी को नोटिस जारी किया गया है। जिसमें उल्लेख किया गया है कि आपके द्वारा प्लीज डील का उल्लंघन किया है क्यों ना मध्य प्रदेश एमएसएमई के औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम 2021 में निहित प्रावधानों के तहत आवंटित भूखंड का आधिपत्य विभाग द्वारा वापस ले लिया जावे। महाप्रबंधक जिला उद्योग द्वारा 30 दिवस के अंदर लीजडील कंडिका का पालन करने के लिए निर्देशित किया गया है. जबकि नोटिस जारी किया पांच महीने से भी अधिक का समय हो गया है. उद्योग विभाग द्वारा क्या कार्रवाई की गई यह अभी स्पष्ट नहीं है.

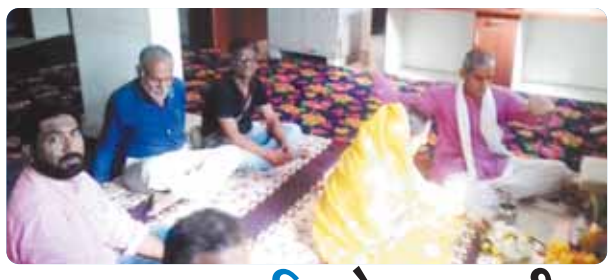

नकारात्मक शक्ति के प्रभाव क्षीण करने के अखंड रामायण शुरू

नर्मदापुरम ,दोपहर मेट्रो

नगर पालिका में आज सुबह रामचरित् मानस के अखंड पाठ का शुभारंभ किया किया गया। कल रविवार को धार्मिक विधि विधान से अखंड रामायण कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। जानकारी देते हुए नगर पालिका मजदूर कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार वर्मा ने बताया रामायण पाठ का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव द्वारा पूजा अर्चन कर विधि विधान से किया गया। मजदूर संघ के अध्यक्ष राजेश अत्रे ने बताया कि पिछले कई वर्षो से नगरपालिका में पदस्थ कर्मचारी आये दिन अनहोनी व दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं. नकारात्मक ऊर्जा व दुष्ट शक्तियों का दमन प्रभू श्री राम व हनुमान जी महाराज की कृपा से हो सके इसलिए श्री राम चरित्र मानस के अखंड पाठ का आयोजन किया जा रहा है। नगर पालिका कर्मचारी मजदूर संघ के ओपी रावत ने सभी सम्माननीय पार्षदगण, नगरपालिका में पदस्थ सभी धर्म प्रेमी कर्मचारी व नागरिक गणों से अनुरोध किया है कि श्री राम चरित्र मानस के अखंड पाठ कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति देकर श्री राम दरबार में अपनी हाजरी अवश्य लगायें।

50 लाख की लागत से बनने वाले कंदेली पुल का हुआ भूमि पूजन

सिवनी मालवा। गोटियापुरा को नगर से जोड़ने वाले पचास लाख की लागत से बनने वाले पुल का हुआ भूमि पूजन नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 13 की पार्षद डा किरण राठौर ने बताया की कंदेली नदी पर पुल गोटियापुरा को नगर से जोड़ने कार्य जो अधूरा था उसको भी हमारे द्वारा आज पूरा किया गया और पचास लाख की लागत से पुल का निर्माण होने से आवागमन की सुविधा होगी। उन्होंने कहा की पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा हे वही नगर से लगे गोटियापुरा नदी पर पुल नही होने के कारण हम उपेक्षित थे वारिश के दिनों में चारो तरफ पानी भरे होने पर छात्र छात्राओं को स्कूल नही जा सकते थे सारा आवागमन बंद हो जाता था वही पुल बनने पर हम सीधे नगर से जुड़ जायेंगे आज हमारे लिए यह स्वर्णिम अवसर हे हमारे चुनावी घोषणा पत्र में हमने यह संकल्प लिया था और हमारे कार्यकाल के एक वर्ष के अंदर ही हमने अपना संकल्प पूरा किया। हम आभारी हे नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन के जिन्होंने हमारे गोटियापुरा वासियों के लिए इतनी बड़ी सौगात हमे दी।

सत्यसांई यूनिवर्सिटी में हुआ नुक्कड़ नाटक का आयोजन

सीहोर , दोपहर मेट्रो

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अमिताभ मिश्र के निर्देश पर अशासकीय सत्यसांई यूनिवर्सिटी में बाल यौन शोषण, गुड टच बेड टच एवं पॉक्सो एक्ट से सम्बंधित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया।

जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री मुकेश कुमार दांगी द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम निषेध एवं निवारण) अधिनियम 2013, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, गुड टच बेड टच, संवैधानिक मौलिक अधिकार, कर्तव्य आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। नुक्कड़ नाटक आयोजन के पश्चात श्री मुकेश कुमार दांगी, प्रशिक्षु न्यायाधीष सुश्री हितेषी शर्मा एवं सुश्री अकांक्षा कुमार उचाड़िया द्वारा विधि के छात्रों को केरियर गाइडेंस एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई।

बच्चों को भीख मांगने से रोकना हम सबकी जिम्मेदारी

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

एसडीएएम कलेज में जिला नर्मदापुरम से आए रघुवीर मालवीय कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन न्यू दिल्ली द्वारा सभी को जागरूक करते हुए कहा गया की कमजोर वर्ग के बच्चों को गलत कार्यों से रोकना हमारी जिम्मेदारी है। भीख मांगने वाले बच्चे दिखाई देने पर बच्चों की हेल्पलाइन नंबर 1098 को संपर्क कर मदद करनी चाहिए। क्योंकि जो बच्चे देश का भविष्य है उनके हाथों मैं किताबे अच्छी लगती है ना की वह भीख मांगते हुए अच्छे लगते है अपने नगर को जिले को भीख मांगने वालों से मुक्त जिला बनाने में सबको सहयोग देना चाहिए। बाल श्रम जैसे अपराध के कारण बच्चे पर दुष्प्रभाव शिक्षा से वंचित हो जाना और उनका शारीरिक व मानसिक विकास ना होने देना। बाल तस्करी भी बाल मजदूरी से ही जुड़ी है जिसमें हमेशा ही बच्चों का शोषण होता है। 8 अक्टूबर के इतिहास को याद करते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर प्रीति शुक्ला द्वारा छात्र छात्राओं को भारतीय वायु सेना के बारे मैं बताया गया। उन्होंने बताया की 8 अक्टूबर 1932 को आधिकारिक तौर पर इंडियन एयर फोर्स को स्थापना हुई । वायु सेना का ध्येय वाक्य है नभः स्पृशं दीप्त जिसका अर्थ है वैभव के साथ आकाश को छूना। वायु सेना का मुख्य कार्य देश की वायु सुरक्षा, वायु चौकसी एव जरूरत होने पर वायु युद्ध करना होता है 8 अक्टूबर 2023 को भारतीय वायु सेना का 91वां स्थापना दिवस है।

जिला स्तरीय एमसीएमसी समिति गठित

सीहोर । विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणीकरण एवं मॉनिटरिंग समिति (एमसीएमसी) का गठन किया गया है। यह समिति भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए मीडिया प्रमाणीकरण एवं मॉनिटरिंग का कार्य करेगी। यह समिति निर्वाचन के दौरान प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक तथा सोशल मीडिया में प्रसारित पेड न्यूज की शिकायतों का निराकरण करेगी। सभी रिटर्निंग अधिकारियों, जिला सूचना अधिकारी श्री संजय जोशी तथा पत्रकार श्री शैलेश तिवारी इस समिति के सदस्य बनाए गए है। जिला जनसम्पर्क अधिकारी देवेन्द्र ओगारे समिति के सदस्य सचिव बनाए गए है।

चुनावी प्रचार-प्रसार की होगी सतत मॉनिटरिंग

तीन पालियों में 24 घंटें रखी जाएगी विज्ञापन पेड न्यूज और फेक न्यूज नजर

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया में पेड न्यूज की मॉनिटरिंग के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला स्तरीय मॉनिटरिंग सेल बनाया गया है। इस सेल में पेड न्यूज की मॉनिटरिंग के लिए तीन पालियों में 16 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इस सेल में लगातार टेलीविजन और प्रिंट मीडिया में प्रकाशित और प्रसारित होने वाले विज्ञापनों,

समाचारों और फेक न्यूज़ तथा सभी राजनीतिक समाचारों की मॉनिटरिंग की जाएगी। इस सेल द्वारा अभ्यर्थियों से विज्ञापन प्रमाणन के लिए आवेदन पत्र प्राप्त किए जाएंगे तथा समय सीमा में परीक्षण उपरांत विज्ञापन की अनुमति प्रदान करना सुनिश्चित किया जाएगा।

ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग के संबंध में प्रशिक्षण सम्पन्न

रायसेन

आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत जिले की चारों विधानसभाओं में ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग कार्य हेतु शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

यह प्रशिक्षण दो सत्रों में प्रातः 11 बजे से विधानसभा सिलवानी तथा उदयपुरा का एवं दोपहर 01 बजे से विधानसभा भोजपुर तथा सांची के लिए प्रशिक्षण रखा गया। प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग तथा मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की भी जानकारी दी गई।

मेट्रो एंकर उन्होंने फसल गिरदावरी में गति लाने के निर्देश दिए

संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत कार्यवाही सुनिश्चित कराएं : कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने आगामी विधानसभा निर्वाचन के संबंध में शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदर्श आचरण संहिता लागू होने के उपरांत संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत 24 घंटे, 48 घंटे एवं 72 घंटे में की जाने वाली कार्रवाई सुनिश्चित कराएं।

उन्होंने विधानसभा वार समीक्षा कर निर्वाचन घोषणा से पूर्व मतदाता सूची के शेष मृत एवं दोहरी प्रविष्टि वाले आवेदन तथा फार्म 8 के आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित कराएं। सभी

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इस कार्य की मॉनिटरिंग करें।

कलेक्टर ने निर्देश दिए की एसएसटी के लिए जिन कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई है वह ड्यूटी पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर ने फसल गिरदावरी की भी तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने फसल गिरदावरी में गति लाने के निर्देश दिए।

मीटर रीडिंग के आधार पर ही उपभोक्ताओं को विद्युत देयक दिए जाएं

रायसेन, दोपहर मेट्रो

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि उपभोक्ताओं के परिसर में स्थापित मीटर की फोटो मीटर रीडिंग में लापरवाही बरतने और गलत मीटर रीडिंग लेने पर मीटर वाचकों पर सख्त कार्यवाही किये जाने के निर्देश जारी किये गये हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि उपभोक्ताओं के परिसर पर एक्युरेसी (शुद्धता) के साथ मीटर वाचन होना चाहिए और मीटर रीडिंग के आधार पर ही उपभोक्ताओं को विद्युत देयक दिए जाएं।

उन्होंने स्पष्ट किया है कि मीटर वाचकों के कार्य पर निष्ठा एप के द्वारा निगरानी रखी जाए और जो मीटर वाचक कर्तव्य पालन में लापरवाही बरत रहे हैं, उन्हें सेवा से पृथक किया जाए। कंपनी ने कहा कि उपभोक्ता सेवा सर्वोपरि है। उपभोक्ताओं को कंपनी बेहतर से बेहतर सेवाएँ देने के लिए कृत-संकल्पित है और इसी दिशा में काम किया जा रहा है। कंपनी ने उपभोक्ताओं को जागरूक रहने के लिए कहा है कि जब उनके परिसर की मीटर रीडिंग होती है, तो वे मीटर वाचक द्वारा ली गई रीडिंग और मीटर में दर्ज रीडिंग पर नजर रखें, ताकि सही देयक मिल सके। कंपनी का प्रयास है कि बिलिंग संबंधी शिकायतों को शून्य लेवल पर लाया जाए। कंपनी ने कहा है कि फोटो मीटर रीडिंग निष्ठा एप के माध्यम से की जा रही है। दरअसल फोटो मीटर रीडिंग ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें मानवीय हस्तक्षेप बिल्कुल नहीं है और मीटर वाचन में अंकित वाचन की फोटो खींचकर सिस्टम में अपलोड की जाती है। मीटर वाचकों पर कड़ी निगरानी और लापरवाही बरतने वाले मीटर वाचकों को सेवा से मुक्त किये जाने की कार्यवाही के कारण उपभोक्ताओं को काफी राहत मिली है। कुछ शहरों में क्यूआर कोड लगाने के कारण भी फायदा मिला है ।

विधायक ने 3 महीने पहले किया था भूमि पूजन

अब तक मदन मोहन सरकार के दरबार में नहीं हो पाया निर्माण कार्य, नाराजगी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

क्षेत्रीय विधायक के द्वारा किए जा रहा है भूमि पूजनों के बाद भी विकास कार्य होते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं। इसकी वजह से जानता में भी नाराजगी साफ तौर पर देखी जा रही हैं। नगर में बड़े कामों की बात तो दूर की है छोटे-छोटे निर्माण कार्य भी समय सीमा में नहीं हो पा रहे हैं।

हैरानी की बात तो है कि लगभग 3-4 महीने पहले श्री मदन मोहन सरकार के परिसर में निर्माण कार्य करने की आधारशिला विधायक शर्मा ने रखते हुए मंदिर के पुजारी और समिति के सदस्य से पूछ कर जिस तरह का निर्माण कार्य सरकार के दरबार में करवाना है उसके भूमि पूजन किया था इतना लंबा समय बीच जाने के बाद भी नगर पालिका परिषद के द्वारा जमीन स्तर पर काम को प्रारंभ भी नहीं करवाया इससे अंदाजा लगाया सकता है कि विधायक के द्वारा किए जा रहे हैं। भूमि पूजन कार्यों को कितनी गंभीरता से स्थानीय प्रशासन ले रहा है या फिर केवल भूमि पूजन कर कर खाना पूर्ति जरूर नगरपालिका के जिम्मेदारो के द्वारा करके विधायक के प्रयासों पर भी पानी पीने का काम किया जा रहा है। वही निर्माण कार्य नहीं होने से जनता में भी किरकिरी हो रही है कई लोग विधायक के भूमि पुजनों को लेकर सवाल भी खड़े कर रहे हैं। एक तरफ विधायक के द्वारा लगातार भूमि पूजन किया जा रहे हैं दूसरी तरफ निर्माण कार्यों को जमीनी हकीकत पर उतरने का काम जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को कंधों पर है उनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसकी वजह से कई निर्माण कार्य स्वीकृत और भूमि पूजन के बाद भी अधर में लटके हुए हैं । बड़ी संख्या में निर्माण कार्यों के लिए भूमि पूजन हो चुके हैं जिनके टेंडर लग गए हैं कुछ के लगा है ।वहीं शासन से मंजूर के बाद भी उन कामों को नहीं करवाया जा रहा है। इसकी वजह से जनता को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लोगों का कहना है कि जब निर्माण कार्य नहीं करवाना है तो भूमि पूजन करके औपचारिकता क्यों की जा रही है जब निर्माण कार्य करवाना हो तभी भूमि पूजन किया जाए इतने लंबे समय पहले भूमि पूजन कर दिए जाते हैं इन कामों को जमीन स्तर पर कार्रवाई नहीं जा रहा है केवल जनता को घूम रहा है करने का काम जरूर हो रहा है विरोधियों के द्वारा भी भूमि पूजन को लेकर तंज कैसे जा रहे हैं पार्षद रामदयाल विश्वकर्मा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि केवल दिखावे के लिए भूमि पूजन हो रहा है कोई निर्माण कार्य जमीन स्तर पर नहीं हो रहा है खुलेआम इनके भूमि पूजन पर सवाल खड़े करके खिल्लियां उड़ाई जा रही हैं इस पर कई लोगों के द्वारा अपने कमेंट्स भी अलग-अलग तरीके से देखकर मजाक उड़ाया जा रहा है। वही देखने वाली बात होगी की स्वीकृति बाद जिन निर्माण कार्यों का भूमि पूजन हो गया है वह काम होंगे या फिर इसी तरह पड़े रहेंगे जनता को असुविधाओं के बीच इस शहर में आना जाना पड़ेगा शहर की सड़कों की हालत भी बहुत ज्यादा खराब है। शहर की अधिकांश सड़कें गढ़ों में तब्दील हो चुकी है जहां पर दो पहिया वाहन चलाना भी मुश्किल हो रहा है।

यह कैसे भूमि पूजन हो रहे हैं , विपक्ष भी दाग रहा है सवाल

धूल के कारण व्यापारी, किसानों को हो रही परेशानी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी में साफ सफाई के साथ धूल से मुक्ति नहीं मिल पा रही है। इसकी वजह से मंडी में आने वाले किसानों और इनकी उपज खरीदने वाले व्यापारियों को प्रतिदिन मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।

साफ सफाई का काम नगर पालिका को दिया गया है उसके कर्मचारी प्रतिदिन नहीं आ रहे हैं जबकि इनका 15 से 20 हजार इसी काम के लिए दिए जा रहे हैं। सफाई के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है, धूल के गुब्बारे दिनभर यहां पर उड़ते रहते हैं इसकी वजह से कई व्यापारी विभिन्न तरह की बीमारियों से पीड़ित होने में स्वास से लेकर सर्दी जुकाम आदि से पीड़ित हो रहे हैं ।इसको लेकर अनाज व्यापारी कई बार अपनी नाराजगी भी जाहिर कर चुके हैं ,मंडी सचिव से लेकर एसडीएम से भी शिकायत कर चुके हैं फिर भी इस समस्या का समाधान नहीं हो रहा है ।एक बार फिर व्यापारियों ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए मंडी प्रशासन से साफ सफाई तथा धूल से मुक्ति दिलाने की मांग की है ।इसको लेकर थोका तिलहन अनाज संघ के अध्यक्ष समीर भार्गव बताया कि हमने मंडी प्रशासन से 3 महीने से लगातार धूल और साफ सफाई की समस्या हो रही परेशानी को लेकर शिकायत कर तैयार हैं उसको दूर करने का प्रयास मंडी प्रशासन नहीं कर रहा है। इसकी वजह से हमें मुश्किलों का सामना करना पड़ा है ।जल्दी से समस्या का समाधान नहीं किया है तो हम लोग मजबूरी में मंडी भी बंद कर सकते हैं ।इधर मंडी सचिव फतेह सिंह चौहान ने बताया कि हमारे द्वारा नगर पालिका परिषद से सफाई करवाई जा रही है। लेकिन कुछ दिनों से कर्मचारी नहीं आ रहे हैं ।इसके संबंध में सीएमओ को पत्र भी लिखकर सफाई करवाने की मांग की है ।धूल से मुक्ति दिलवाने के लिए हम पानी आदि का छिड़काव भी करवाएंगे वही इस समय मंडी में विभिन्न निर्माण कार्य चल इसकी वजह से धूल हो रही है हम अपनी तरफ से हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि व्यापारियों और किसानों को किसी भी तरह की परेशानी ना हो पानी के लिए भी उचित व्यवस्था करवाई गई है।

भाजपा जिला प्रभारी ने मंडल केंद्रों की ली बैठक,हमारा प्रत्याशी कमल का फूल : लता वानखेड़े

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले ही भाजपा के द्वारा विधानसभा चुनाव की तैयारी जमीन स्तर पर जोर से प्रारंभ कर दी गई है । इसी तरह जिले की प्रभारी लता बानखेड़े ने संगठन की कामकाजी बैठक लेते हुए उन्होंने कहा कि हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा को मानकर राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाने के लिए संकल्पित कार्यकर्ता है ।

प्रधानमंत्री मोदी ने उनको पूरा करने का काम किया है। चुनाव का शंखनाद हो चुका है। हमारा प्रत्याशी कमल का फूल है हमे आज से ही अपने प्रत्याशी को अपने बूथ पर विजय बनाने के लिए कमर कस के जुट जाने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रदेश संगठन द्वारा बूथ स्तर पर पंद्रह करणीय कार्यो को लेकर भी बातचीत की । जिले के उपाध्यक्ष श्रवण व्यास ने कहा कि एक कार्यकर्ता के नाते हम सबको अपने अपने दायित्व का बोध होना आवश्यक है यह मतदान केन्द्र पर डालने वाले मतों की ही ताकत है कि 70 सालों से देश पर राज करने वाली कांग्रेस आज सड़कों पर है। भारत की लोकतंत्र व्यवस्था अन्य देशों के मुकाबले शांतिप्रिय है। हमने अपने विचारों से देश और प्रदेश की सत्ता प्राप्त की है। हमें अपने बूथ केंद्र पर रहने वाली आम जनता में अपने विश्वास को भी बनाये रखना होगा। देश और प्रदेश में भाजपा सरकारे निरंतर काम कर रही है। भाजपा को प्रत्येक बूथ पर 51 प्रतिशत मत प्राप्त करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। भूमिक वक्तव्य कैलाश शर्मा ने दिया। इस दौरान जिला मंत्री दिनेश शर्मा, पीके विश्वास आदि कार्यकर्ता मौजूद थे ।

सिरोंज नपा में तीन सीएमओ, आखिर किस-किस का आदेश मानें कर्मचारी

एक सीएमओ शासन द्वारा नियुक्त, दूसरे सीएमओ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि का सहारा लेकर कर रहे आदेश, तीसरे सीएमओ साइलेंट

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद में अभी वर्तमान में तीन सीएमओ नपा का प्रभार संभाल रहें है। तो वही नपा में तीनो सीएमओ के आदेश भी अलग अलग चल रहें है।

एक सीएमओ जयंत वर्मा जो कि शासन द्वारा नियुक्त किए गए है। तो वही दूसरे व पूर्व प्रभारी सीएमओ जो कि वर्तमान में नाकेदार के पद पर कार्य कर रहें बालमुकुंद कुषवाह और तीसरे प्रभारी सीएमओ के रूप में राम प्रकाष साहू जो कि नपा सीएमओ का प्रभार संभाल रहें है। शासन द्वारा नियुक्त सीएमओ जंयत वर्मा का नपा कर्मचारियों को दिषा निर्देष एंव कार्यो की समीक्षा करना उचित है क्योकि उन्हें वित्तीय अधिकार के अलावा अन्य अदेष देना का अधिकार बनता है। लेकिन श्री वर्मा का अत्यंत शालीन मृतभाषी व गंभीर होने का फायदा नगर पालिका में पदस्थ कुछ कर्मचारी उठा रहें है। नगर पालिका के पूर्व प्रभारी सीएमओ वर्तमान में नाकेदार के पद पर पदस्थ बालमुकुंद कुशवाह नपा कर्मचारियो को यह कहते हुए अकसर दिखाई देते है कि नगर पालिका की राजस्व शाखा,निर्माण कार्य व अन्य वित्तीय जानकारी मुझे तत्काल दिया करों। क्योकि मुझसे एसडीएम साहब व विधायक को प्रतिदिन नपा की जानकारी देना पड़ता है। तीसरे सीएमओ साइलेंट मूड में - नगर पालिका में पदस्थ वरिष्ठ अकाउंटेंट राम प्रकाश साहू को जब सीएमओ का चार्ज मिलते है जब कोई सीएमओ छुट्टी पर जाते है। लेकिन श्री साहू अपने अधिकार क्षेत्र और काम से काम रखते है लेकिन सीएमओ की गितनी में जरूर आते है।

आखिर किस किस की सुने नपा कर्मचारी

नगर पालिका परिषद सिरोंज में पदस्थ नपा कर्मचारी आखिर तीनो सीएमओ में से किस का आदेष माने। एक सीएमओ फोन पर आदेष देते है और उनका कहना एंव जानकारी मांगना उचित है। वही नपा कर्मचारी भी उनके आदेष का पालन करते है। क्योकि वह सीएमओ शासन द्वारा नियुक्त किए गए है। लेकिन वर्तमान में नाकेदार के पद पर पदस्थ बालमुकुंद कुषवाह के आदेष कर्मचारी कैसे माने। बालमुकुंद कुशवाह का नपा कर्मचारियों से एक ही बात कहते हैं मुझे नपा की सारी जानकारिया तत्काल दो। क्योकि विधायक व एसडीएम ने मुझसे पूछा है मुझे तत्काल उन्हें जानकारी देना है। इस तीनों सीएमओ के बीच फसें नपा कर्मचारी बडें परेषान है। वही कर्मचारियो का कहना है कि हम किस किस सीएमओ के आदेष का पालन करें।

स्पष्ट जवाब नही दे पाए सीएमओ

जब सीएमओ जयंत वर्मा से इस संबध में पूछा गया कि नगर पालिका में कितने सीएमओ से तो वह स्पष्ट जवाब नही दे पाए। वही उन्होने कहा कि यह पुराने लोग है इन्हें जानकारी है इसलिए इन लोगो से बात करता रहता हूं लेकिन नपा सिरोंज का शासन द्वारा नियुक्त सीएमओ में ही हूं।

मेट्रो एंकर विधानसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न तैयारियां जारी

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक से सीमावर्ती ग्रामों का व्यवस्था का जायजा लिया

हरदा , दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न तैयारियां की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को कलेक्टर ऋषि गर्ग व पुलिस अधीक्षक श्री संजीव कंचन ने राजस्व व पुलिस अधिकारियों के दल के साथ सीमावर्ती ग्रामों का दौरा किया।

कलेक्टर श्री गर्ग ने इस दौरान हंडिया, छीपानेर, गंजाल नदी, टेमागांव सहित जिले की सीमा पर स्थित ग्रामों का दौरा किया। उन्होने जिले की सीमा पर निरीक्षण चौकी स्थापित कर निर्वाचन के दौरान अन्य जिलों से हरदा जिले में आने वाले नागरिकों पर नजर रखने तथा वाहनों की जांच करने के निर्देश दिये। निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार स्थैतिक निगरानी दल गठित किये जा चुके है। ये निगरानी दल अन्य जिलों से आने वाले वाहनों व नागरिकों पर सतत नजर रखेंगे। कलेक्टर श्री गर्ग ने जिले की सीमा पर बेरियर लगाकर वाहनों को रोकने तथा उनकी जांच करने के लिये आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश एसडीएम व तहसीलदार को दिये।

आबकारी विभाग के दल ने अवैध मदिरा के विक्रय व परिवहन के विरूद्ध की कार्यवाही

हरदा 6 अक्टूबर 2023/ आबकारी विभाग के दल ने गुरूवार को अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय व संग्रहण के विरूद्ध कार्यवाही की। जिला आबकारी अधिकारी श्री रीतेश कुमार लाल ने बताया कि आबकारी विभाग के दल ने वृत हरदा के टंकी मोहल्ला, ग्राम बीड़, कमताड़ा, मसनगांव, खेड़ीपुरा एवं वृत खिरकिया के सुल्तानपुर, रहटाकला व विक्रमपुर में दबिश देकर कुल 38 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब एवं 860 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 6 प्रकरण दर्ज किये।

गौशालाओं में चारा-भूसा की व्यवस्था के लिये राशि आवंटित

हरदा , दोपहर मेट्रो

म.प्र. गौपालन एवं गौसंवर्धन बोर्ड भोपाल द्वारा हरदा जिले की शासकीय एवं अशासकीय गौशालाओं में चारा भूसा खरीदने करने हेतु मुख्यमंत्री गौसेवा योजना अंतर्गत संचालित 6 गौशालाओं में 3 माह के लिये माह अक्टूबर 2023 में राशि 10.42 लाख जारी की जा चुकी है। इसी प्रकार जिले में संचालित पंजीकृत अशासकीय 9 गौशालाओं हेतु 3 माह के लिये राशि 49.20 लाख, जिसमें पशु आहार हेतु राशि 12.30 लाख तथा भूसे हेतु राशि 12.30 लाख जारी की जा चुकी है। इस प्रकार मुख्यमंत्री गौसेवा योजना अंतर्गत संचालित 6 गौशालाओं हेतु 3 माह के लिये कुल अनुदान राशि 10.42 लाख तथा संचालित पंजीकृत अशासकीय 9 गौशालाओं हेतु 3 माह के लिये कुल अनुदान राशि 49.20 लाख जारी की जा चुकी है। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति हरदा श्री ऋषि गर्ग ने गौशाला संचालकों को राशि जारी करते हुए गौशालाओं में आवश्यक व्यवस्था सुदृढ करने के लिये कहा है।

कार्यालय प्राचार्य शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय
सिरोंज जिला विदिशा (म.प्र.)
क्र 313/ 2023 सिरोंज दिनांक 7/10/ 2023

निविदा सूचना

शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिरोंज द्वारा एन.सी.सी. कैडेट के लिए नास्ता के लिए कोटेशन आमंत्रित किये जाते हैं, जिसमें 53 कैडेट में से सप्ताह में दो दिन जितने भी कैडेट उपस्थित रहेंगे उनके लिए प्रत्येक कैडेट 36 रुपये के नास्ते के लिए कोटेशन आमंत्रित किये जाते है। 36 रुपये के अन्दर कितना नास्त्रा (सामग्री का नाम व मात्रा सहित) प्रदान किया जायेगा। उसका उल्लेख करते हुए दिनांक 10.10.2023 को सायं 05 बजे तक अपना कोटेशन कार्यालय, शा. लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिरोंज में जमा करें।

प्राचार्य
शा. लाल. बहा, शास्त्री महा. सिरोंज

वर्ल्ड कप का 5-2 मुकाबला आज, टॉस के गणित आसान नहीं

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

वर्ल्ड कप 2023 का आगाज हो चुका है।आईसीसी के दिशानिर्देशों को दरकिनार कर भारतीय सरजमीं पर तैयार की गयी सपाट पिचों पर खेले गए 4 में से 3 मैचों में बल्लेबाजों का बोलबाला रहा है।धर्मशाला की पिच पर गेंदबाजों को भले ही मदद मिली है, लेकिन उसकी वजह पिच से कहीं अधिक वहाँ का मौसम व वातावरण कहा जा सकता है।पहले ही मैच में दर्शकों को मैदान में लाने के लिए नईदिल्ली की अरुण जेटली मैदान जैसी पिच की ही दरकार थी। शुरुआती मैचों को देखकर फिलहाल तो यही नजर आ रहा है कि 2023 वर्ल्ड कप गेंदबाजों खासतौर से तेज गेंदबाजों के लिहाज से बेहद संघर्षपूर्ण रहने वाला है, जबकि बल्लेबाजों और दर्शकों के लिए भरपूर मजेदार रहने वाला है। हालांकि ऐसी उम्मीद है कि फिरकी गेंदबाजों के लिए टूर्नामेंट की कुछ पिचें मददगार भी साबित हो सकती हैं, जिसमें चेन्नई की पिच सबसे अहम है। टीम इंडिया का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया सेआज चेन्नई के ही चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाना है। अगर हम वर्ल्ड कप इतिहास के नजरिए से मुकाबले को देखें तो फिर यह भिड़ंत 5 बनाम 2 बार की वर्ल्ड चैंपियन कही जा सकती है। दोनों ही टीमों के लिए वर्ल्ड कप पहला मुकाबला जीतना बेहद जरूरी होगा, क्योंकि वर्ल्ड कप अच्छी शुरुआत होगी तो आगे उससे और बड़े मैचों के लिए टीम का आत्मविश्वास व मनोबल बढ़ेगा। अगर हम वर्ल्ड कप के अब तक हुए मैचों पर नजर डालें तो फिर सभी मैचों में टॉस जीतने वाली टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है।भले ही नीदरलैंड और श्रीलंका को उनके फैसले का खामियाजा पड़ा हो,लेकिन जीत मिली हो या फिर हार सभी कप्तानों का नजरिया अभी तक पिच के बर्ताव को लेकर एक समान ही था।टॉस हारकर साउथ अफ्रीका की रिकॉर्ड तोड़ बल्लेबाजी और जीत ने आज चेन्नई में होने वाले मुकाबले के टॉस को बेहद दिलचस्प बना दिया है। दरअसल आज होने वाले भारत-ऑस्ट्रेलिया मुकाबले में दोनों टीमों की असल ताकत उनकी बल्लेबाजी ही है।ऐसे में टॉस जीतने वाले कप्तान के लिए यह फैसला आसान नहीं रहने वाला है। दोनों ही टीमों की एकादश की बात करें तो फिर टीम इंडिया के लिए शुभमन गिल का अनफिट होना रोहित ब्रिगेड के लिए बड़ा झटका है।टीम इंडिया में रोहित शर्मा के पार्टनर की भूमिका मैच में अहम रहने वाली है।वहीं ऑस्ट्रेलिया टीम में बांये हाथ के फिरकी की कमी कमजोर कड़ी साबित हो सकती है। वैसे तो दोनों ही टीमों में ऑलराउंडर की भरमार है जिस वजह से 9 नम्बर तक बल्लेबाजी में गहराई नजर आती है।मतलब साफ है कि चेन्नई में होने वाला आज का यह मुकाबला बेहद कांटे वाला होने वाला है।टॉस के उछाल वाले फैसले से लेकर बल्ले का धमाल व फिरकी का जाल सभी कुछ आज के मैच में कसौटी पर रहने वाला है।

मनोरंजन — बॉलीवुड का कोना

गदर-2 हिट होने के बाद लगी फिल्मों की लाइन

'जन्मस्थान' में वकील के रोल में नजर आएंगे सनी देओल

सुपर 'गदर 2' की सुपर सक्सेस के बाद फिल्ममेकर्स के बीच सनी देओल की डिमांड है। इस वक्त उनके पास दो फिल्में 'बॉर्डर 2' और लाहौर 1947' हैं। जहां 'बॉर्डर 2' को टी-सीरीज तो वहीं लाहौर 1947' को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं। इसी बीच ट्रेड एक्सपर्ट्स का दावा है कि सनी ने इसके अलावा तीन से चार फिल्में कमिट की हुई हैं। वे 'लाहौर 1947' पर काम शुरू करने से पहले फिल्म जन्मभूमि की शूटिंग करेंगे। इस फिल्म को सनी ने गदर-2 की रिलीज से 5 महीने पहले साइन किया था। बड़ी बात यह है कि इस फिल्म में सनी के साथ संजय दत्त भी नजर आएंगे। दोनों ने साथ में आखिरी बार 1993 में रिलीज हुई क्षत्रिय में काम किया था। फिल्म में सनी देओल और संजय दत्त 30 साल बाद साथ नजर आएंगे। दोनों इससे पहले क्रोध (1990), योद्धा (1991) और क्षत्रिय (1993) जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

डायरेक्टर बोले- जल्द आएगी फिल्म

इस फिल्म पर जल्द ही काम शुरू होगा। फिल्म के निर्देशक मनोज नौटियाल ने बताया कि कहा कि वे लगातार सनी देओल के टच में हैं। मनोज ने कहा, 'सनी बीते कुछ वक्त से यूएस में थे। उससे पहले वो लगातार 'गदर 2' की शूटिंग और प्रमोशन पर जुटे हुए थे। अब हम उनके फ्री होते ही इस फिल्म को फ्लोर पर ले जाने की तैयारियां कर रहें हैं। हमने हाल ही में मीटिंग की है। सनी ने कहा वो यह फिल्म कर रहें हैं।'

सनी के अपोजिट नजर आएंगे संजय दत्त: मनोज ने आगे बताया, 'सनी फिल्म में वकील के रोल में हैं। इसमें उनके अपोजिट संजय दत्त नजर आएंगे। दोनों कोर्ट में एक-दूसरे से भिड़ते दिखेंगे। सनी को तो हमने 5 माह पहले साइन किया था। संजू से हम ढाई महीने पहले मिले थे। हमने उन्हें भी साइनिंग अमाउंट दे दिया है।

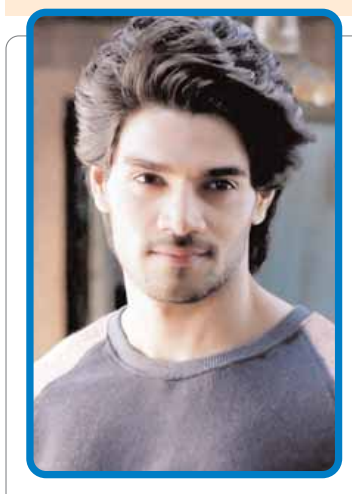

आदित्य पंचोली के बेटे सूरज ने कहा...

'मैं प्यार पर विश्वास करता हूं'

एक्टर सूरज पंचोली ने हाल ही में अपनी लव लाइफ को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसे इंसान के साथ रहकर बहुत खुश है, जो उन्हें समझता है। सूरज ने कहा कि उनकी प्रेजेंट गर्लफ्रेंड ने उनसे कभी भी जिया खान केस को लेकर सवाल नहीं किया। सूरज ने हाल ही में अपने रिलेशनशिप और गर्लफ्रेंड के बारे में खुलकर बात की। हालांकि, उन्होंने अपनी लेडी लव का नाम नहीं बताया। एक इंटरव्यू में सूरज ने बताया कि जिया खान मामले में मीडिया ट्रायल की वजह से उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जबकि जिया के साथ उनका रिलेशनशिप सबसे कम समय तक रहा था।

हम कभी मेरे अतीत के बारे में बात नहीं करते...

बातचीत के दौरान सूरज से तुनिषा शर्मा सुसाइड केस को लेकर सवाल किया गया। इस मामले में एक्ट्रेस के बॉयफ्रेंड शीजान खान को उनकी मौत का आरोपी माना गया था। मामले के बारे बात करते हुए सूरज ने कहा- मीडिया ट्रायल लोगों पर लगे आरोप को तय नहीं कर सकता।' प्यार के बारे में सूरज ने कहा- मैं ऐसा नहीं सोचता हूं, मैं प्यार में विश्वास करता हूं। मुझे उसके (जिया खान मामले) के बाद भी प्यार हुआ। सूरज से आगे सवाल किया गया कि क्या वह पिछले सात साल से रिलेशनशिप में हैं और उनकी गर्लफ्रेंड को उनपर कितना भरोसा है। इस पर उन्होंने कहा- इतने लंबे समय से नहीं, लेकिन मैं इस वक्त रिलेशनशिप में हूं। हमने कभी भी मेरे अतीत के बारे में बात नहीं की। शायद इसकी जरूरत भी नहीं है।

रवि किशन बोले- 'तेरे नाम' की शूटिंग के दौरान वर्कआउट करते रहते थे सलमान...

एक्टर रवि किशन ने अपने हालिया इंटरव्यू में सलमान खान के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया है। उन्होंने कहा कि फिल्म 'तेरे नाम' की शूटिंग के दौरान सलमान बुरे दौर से गुजर रहे थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि सलमान इस फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत खोए हुए लगते थे। इस दौरान उन्होंने अपना पूरा फोकस जिम ट्रेनिंग में लगा दिया था। रवि ने कहा, 'सलमान बहुत ही कमाल के आदमी हैं। तेरे नाम के दौरान उनका बुरा दौर चल रहा था और मैं उसका गवाह रहा। पर जिस तरह वो वर्क आउट करते थे, जिम में डे? घंटे तक लगे रहते थे। मैंने उन्हीं से सीखा है कि चाहे कुछ भी हो जाए, चाहे आप लाइफ में कितने भी दुखी हो, चाहे हार्टब्रेक हुआ हो, बॉडी ब्रेक हो या ब्रेन ब्रेक और चाहे आप शूटिंग करके थक चुके हों.. आपको डेढ़ से दो घंटे वर्क आउट तो करना ही करना है। लोहा आपका वफादार दोस्त है। सब लोग धोखा दे सकते हैं पर लोहा आपको कभी धोखा नहीं देगा। तो लोहे से प्रेम कर लिया है सलमान खान ने।'

फिल्म में सलमान की बहुत एनर्जी लगी: *वहीं जब होस्ट ने पूछा कि क्या उस बुरे दौर में सलमान का कॉन्फिडेंस कम हो गया था? तो रवि ने कहा, 'तेरे नाम ने उनकी बहुत एनर्जी ली है। सतीश कौशिक उस फिल्म के डायरेक्टर थे। वो खुद एक्टर थे तो हर सीन खुद करके बताते थे। पूरी फिल्म के दौरान सलमान बहुत खोए हुए रहते थे। उसका रिजल्ट भी उन्हें कमाल का मिला।*

होम ग्राउंड में खेलने पर जीत की दावेदारी भी होगी डबल

वर्ल्ड कप: रोहित और कोहली का अनुभव बहुत काम आएगा

नईदिल्ली, एजेंसी

होम टीम इंडिया से इस बार वर्ल्ड कप जीतने की उम्मीदें कई गुना हैं। साल 2011 के बाद एक बार फिर मौका है, चैंपियन बनने का। नए कप्तान रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली का अनुभव कितना कमाल करेगा और इस बार भारतीय टीम का बैलेंस बेहतर है देखा जाए तो भारतीय टीम बहुत ही ज्यादा मजबूत है। मजबूत इसलिए भी क्योंकि प्लेयर्स की क्वालिटी भी बहुत अच्छी है।

इस बार हार्दिक होंगे ट्रंप कार्ड साबित

इस बार बैलेंस और एक्सपीरिएंस का एक अच्छा कॉम्बिनेशन है। टीम में यंग प्लेयर अक्षर पटेल, ईशान किशन और मोहम्मद सिराज भी खास होंगे। वहीं विराट कोहली जैसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 2011 का वर्ल्ड कप खेला था। साथ ही, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी भारत के लिए अच्छा संकेत है। एशिया कप में उनका प्रदर्शन वर्ल्ड कप के लिहाज से भी भारतीय प्लेइंग इलेवन को मजबूत करेगा। कुल मिलाकर भारतीय टीम बल्लेबाजी व गेंदबाजी दोनों तरफ से काफी मजबूत दिख रही है। हार्दिक पांड्या इस वर्ल्ड कप में ट्रंप कार्ड साबित हो सकते हैं।

टीम कितनी मजबूत यह भी जानना जरुरी, पहला मैच तय करेगा दिशा

भारत और पाकिस्तान के मुकाबले का सब को इंतजार है, लेकिन भारत का पहला मैच वर्ल्ड कप में टीम की असल परीक्षा होगी। यहां जीत मिलने पर मोमेंटम मिल जाएगा, जो आगे टूर्नामेंट के लिए काफी मददगार साबित होगा।अभी भारतीय टीम काफी मजबूत दिख रही है। कप्तान रोहित शर्मा को ही देख लें, मौजूदा समय में रोहित से बेहतर बल्लेबाज शायद ही कोई है। 2019 के वर्ल्ड कप में रोहित ने 5 शतक लगाकर अपने इरादे साफ कर दिए थे। इसके अलावा विराट कोहली भी बड़ा रोल प्ले करेंगे। यही दोनों खिलाड़ी दूसरी टीम की तुलना में काफी आगे हैं। इसके अलावा शुभमन गिल, ईशान किशन और केएल राहुल का टीम में होना भारतीय मिडिल आर्डर को भी मजबूती देगा। ऑलराउंडर जडेजा और हार्दिक पांड्या गेंद और बल्ले से कमाल कर सकते हैं।

इस वर्ल्ड कप गिल से ज्यादा उम्मीदें

गिल उभरते हुए सितारे हैं, बहुत ही होनहार हैं। हाल के सालों में उन्होंने अपने खेल से सभी को खूब प्रभावित किया है। जितनी आसानी से खिलाड़ी शॉट खेलता है, वहीं उसकी काबिलियत को दर्शाता है। गिल के पास रेंज ऑफ स्ट्रोक, टाइमिंग और पावर भी है। विराट और शुभमन गिल दोनों में एक खासियत ये है कि दोनों अंडर-19 के स्टार रहे हैं। ऐसे में इनका खेल टीम को डेप्थ देगा और बड़ी भूमिका भी निभाने में मददगार होगा। समय के साथ ये निर्भरता कम हो गई है। पहले तीन-चार साल तक ऐसा होता था कि सचिन के आउट होते ही लगता था खेल खत्म हो गया है। एक बात और है, अक्सर डिपेंडेंसी वाला पार्ट बैटर तक सीमित हो जाता है, जबकि गेंदबाज भी बड़ी भूमिका निभाते हैं। धोनी जैसे प्लेयर को आप हमेशा मिस करेंगे। ऐसे प्लेयर बहुत कम दिखते हैं। पिछले वर्ल्ड कप में आखिरी उम्मीद धोनी ही थे, लेकिन दौर बदलने के साथ चेहरों से आगे भी बढ़ना पड़ता है, जो जरूरी भी है।

साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका को हराकर वर्ल्ड कप में अपने इरादे जाहिर कर दिए

पिच पढ़ने में गलती, गेंदबाजी भी रही बेअसर

धर्मशाला, एजेंसी

साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका को 102 रन से हराकर वर्ल्ड कप में अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। टीम ने श्रीलंका पर इस टूर्नामेंट में सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम की पिच पर श्रीलंकाई कप्तान ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 428 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में श्रीलंकाई टीम 44.5 ओवर में 326 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। वर्ल्ड कप के बाद रिटायरमेंट लेने का ऐलान कर चुके क्विंटन डी कॉक, रासी वान डर डसन और ऐडन मार्करम ने शतकीय पारियां खेलीं। साथ ही जेराल्ट कूट्जी ने विकेट झटके। शनाका श्रीलंकाई कप्तान ने मैच का टॉस जीता और फील्डिंग का फैसला लिया। वे दिल्ली की पिच को भांप नहीं सके। आमतौर पर दिल्ली की पिच कम उछाल वाली होती है, लेकिन आज इसके विपरीत बाउंस देखने को मिली। इतना ही नहीं, पावरप्ले के कुछ ओवर के बाद बॉल में ज्यादा मोमेंट नहीं दिखा। ऐसे में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज के आसान से रन बनाने लगे। साउथ अफ्रीका की टॉप और मिडिल ऑर्डर की बल्लेबाजी 10 रन पर कप्तान टेम्बा बावुमा का विकेट गंवाने के बाद साउथ अफ्रीका के टॉप मिडिल ऑर्डर ने शानदार बल्लेबाजी की। ओपन करने उतरे डी कॉक, रासी वान डर डसन और ऐडन मार्करम ने शतकीय पारियां खेलीं। मार्करम के चौकों का तो श्रीलंकाई गेंदबाजों के पास कोई जवाब नहीं था।

आसान कैच भी नहीं पकड़ सके खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। वनडे वर्ल्ड कप में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराया। धर्मशाला में आउटफील्ड खराब होने से मुजीब-उर-रहमान चोटिल होने से बचे। वहीं रहमत शाह ने बेहतरीन कैच पकड़ा। नई दिल्ली में दूसरा मैच खेल गया, यहां टेम्बा बावुमा और एंडिले फेलुक्वायो ने आसान कैच छोड़े। वहीं रीजा हेंड्रिक्स ने बेहतरीन कैच पकड़ा। दूसरी पारी के 29वें ओवर में रहमत शाह ने एक हाथ से बेहतरीन कैच पकड़ा। मेहदी हसन मिराज मिड-ऑफ के ऊपर से बड़ा शॉट खेलने गए।

Life&Style METRO

कैंसर एक जानलेवा बीमार इलाज भी बेहद तकलीफदेह

कैंसर एक जानलेवा बीमारी। इस बीमारी के साथ इसका इलाज भी तकलीफदेह होता है। गरीब देशों में हर 15 में से एक बच्चे की मौत कैंसर का सही इलाज नहीं मिलने के कारण हो जाती है। इसका खुलासा लैंसेट ऑन्कोलॉजी जर्नल में पब्लिश एक रिसर्च में हुआ। रिसर्च में कहा गया कि गरीब देशों में कैंसर पीड़ति 0-21 साल तक के 45त्न बच्चे सही ट्रीटमेंट न मिलने से या ट्रीटमेंट में कॉम्प्लिकेशन आने से मर जाते हैं। ये आंकड़ा विकसित देशों में 3-5 प्रतिशत है। रिपोर्ट के मुताबिक, कैंसर से पीड़ति 90त्न बच्चे गरीब देशों में रहते हैं। यहां उनके जीवित रहने की संभावना 20 प्रतिशत से भी कम होती है। गरीब देशों में सही इलाज न मिलने और ट्रीटमेंट में कॉम्प्लिकेशन आने के कई कारण हैं। जैसे- ट्रीटमेंट का महंगा होना। इलाज में लाखों रुपए खर्च होते हैं। लोग इसे अफोर्ड नहीं कर पाते। भारत में इलाज का खर्च 5 लाख से 27 लाख पहुंच जाता है।

नजर कमजोर, याददाश्त में भी कमी

कुपोषण भी एक कारण है। गरीब देशों में कुपोषण को रेट काफी ज्यादा है। बच्चों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता जिससे उनका इम्यून सिस्टम कमजोर रह जाता है। इस कारण शरीर कैंसर के लड़ नहीं पाता। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में 5 साल से कम उम्र वाले 4.5 करोड़ बच्चे कुपोषण का शिकार हैं। कैंसर के इलाज में इस्तेमाल की जाने वाली कीमोथैरेपी, सर्जरी, रेडिएशन थैरेपी के साइड इफेक्ट्स बच्चों को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं, जिसके चलते उन्हें जिंदगी भर खास देखभाल की जरूरत पड़ सकती है। कीमोथैरेपी शुरू होते ही बच्चों का ब्लड सेल्स काउंट घट जाता है, बाल गिर जाते हैं, डायरिया और चक्कर आने लगते हैं। रेडिएशन थैरेपी का बच्चे के दिमाग के विकास पर भी बुरा असर पड़ता है। जिससे उसे हाथों और आंखों के कोऑर्डिनेशन, लेवल, पढ़ाई, याददाश्त, एकाग्रता के अलावा व्यवहार से जुड़ी समस्याएं भी झेलनी पड़ती हैं। इसीलिए अगर 3 साल तक के बच्चे को ब्रेन ट्यूमर हो तो डॉक्टर रेडिएशन थैरेपी का इस्तेमाल करने से बचते हैं। इसमें शरीर के अंदर ट्यूमर पर सीधे रेडिएशंस डाल कर कैंसर का इलाज किया जाता है। मशीन से निकलने वाले रेडिएशन आपके पूरे शरीर पर पड़ते हैं।

मौत का आंकड़ा बढ़ा

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, दुनिया में हर साल करीब एक करोड़ लोग कैंसर की वजह से अपनी जान गंवा देते हैं। यहां सबसे ज्यादा चौंकाने वाला तथ्य यह है कि 2010 की तुलना में 2019 में करीब 21 फीसदी ज्यादा मौतें कैंसर से हुई हैं। 2019 में एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुई थी। हालांकि, अब कैंसर का इलाज संभव है, बशर्ते वो समय पर डिटेक्ट हो जाए...

कीमोथैरेपी से ट्यूमर हुए छोटे, ट्रीटमेंट के अंत तक गायब हुए

वर्ल्ड वॉर 2 के दौरान अमेरिका के वैज्ञानिकों ने पता लगाया कि लिम्फोमा पर नाइट्रोजन मस्टर्ड प्रभावी हो सकता है। इसे वॉर में इस्तेमाल किया जाता था फिर इसका परीक्षण करने के लिए एक क्लीनिकली ट्रायल शुरू किया गया। एक 48 वर्ष के व्यक्ति जिसे लास्ट स्टेज का लिम्फोसारकोमा (एक प्रकार का जानलेवा कैंसर) था, उसे इस मिश्रण की 10 खुराकें दी गईं, जो कि मानक से लगभग 2.5 गुना अधिक थी, क्योंकि किसी को पता नहीं था कि उसे कितना देना है। दो दिनों के भीतर, डॉक्टरों ने देखा कि उसके ट्यूमर छोटे हो गए थे और ट्रीटमेंट के अंत तक वे गायब हो गए। तो ऐसे में कीमोथेरेपी की शुरुआत हुई। हालांकि, आधिकारिक तौर पर 1958 के आस-पास कीमोथेरेपी ट्रीटमेंट की शुरुआत हुई।

बच्चे को पानी की खदान के पास बिना अनुमति दफना दिया था

नवजात का शव कब्र से खोदकर बाहर निकाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हमीदिया अस्पताल में मृत पैदा हुए बच्चे का शव परिजनों ने अयोध्या नगर क्षेत्र की एक खदान के पास गड्ढा खोदकर दफना दिया था। यह बात जब वहां के चौकीदार को पता चली तो उसने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही अयोध्या नगर पुलिस मौके पर पहुंची और कब्र खोदकर नवजात का शव

फाइल फोटो

बाहर निकाल लिया। मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक विगत 6 अक्टूबर को हमीदिया अस्पताल में भर्ती एक महिला ने मृत बच्चे को जन्म दिया था। मकान नंबर 35, अयोध्या नगर में रहने वाले परिजन बच्चे का शव घर ले आए थे। घर लाने के बाद परिजनों ने बच्चे का कफन-दफन यहां शिव सिटी के पास पानी की खदान के कोने में गड्ढा खोदकर कर दिया था। बच्चे को दफनाने के बाद परिजन रीवा जिले चले गए थे। शनिवार सुबह चौकीदार जमना प्रसाद ने पुलिस को सूचना दी कि खदान के पास किसी ने बिना अनुमति अनुचित स्थान पर बच्चे को दफन किया है। सूचना मिलते ही अयोध्या नगर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी।

पीएम के लिए भेजा शव

पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कब्र खोदकर नवजात का शव बाहर निकाल लिया था। शव पर हमीदिया अस्पताल की पर्ची लगी मिली है। मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रीवा से आने के बाद ही परिजनों से बात हो सकेगी।

करबला पर वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वीआईपी रोड करबला के पास शनिवार सुबह तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को एंबुलेंस हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंची थी, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है।

एसआई शोभराम ने बताया कि वैभव सिंह पिता यतेंद्र सिंह (32) सैनिक कॉलोनी, बैरागढ़ में रहता था। वह पूर्व मंत्री रामपाल सिंह के बंगले में काम करता था। शनिवार

पूर्व मंत्री रामपाल सिंह के बंगले से काम कर अपने घर लौट रहा था युवक

सुबह वह ड्यूटी करने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहा था, तभी करीब साढ़े पांच बजे के आसपास उसकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वैभव सिंह बाइक समेत स?क पर गिर गया था। उसे एंबुलेंस हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंची, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में उसे सिर में पीछे की तरफ गंभीर चोट आई थी।

सायबर सेल की मदद से आरोपी को हिरासत में लिया

नाबालिग का अपहरण, उज्जैन के बाद विदिशा में रखकर दैहिक शोषण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित एक कस्बे में 16 साल की नाबालिग का अपहरण और उससे दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी गत 29 सितंबर को उसे गांव से अपहरण कर ले गया था। इसके बाद भोपाल और भोपाल से उज्जैन मंदिर घुमाने के बाद विदिशा में उसे बंधक बनाकर रखा था और दैहिक शोषण कर रहा था। इधर, घर से लापता हुई किशोरी की तलाश कर रहे परिजन ने थाने में सूचना दी थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अपहरण का प्रकरण दर्ज कर आरोपी और पीड़िता की तलाश की और विदिशा से पीड़िता को सकुशल बरामद करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

थाना प्रभारी नरेंद्र कुलस्ते ने बताया कि 16 साल की युवती थाना क्षेत्र के एक कस्बे में रहती हैं। गत 29 सितंबर को वह रहस्यमय तरीके से लापता हो गईथी। उसकी तलाश परिजन कर रहे थे। जब नाबालिग नहीं मिली तो परिजन ने थाने में सूचना दी। मामला नाबालिग से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने अपहरण की धारा में प्रकरण दर्ज किया और टीम का गठन किया। टीम ने नाबालिग के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि अभिषेक मालवीय से उसका संपर्क था। अभिषेक के बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि वह विदिशा में रहता है। पुलिस की एक टीम विदिशा भेजी गई और सायबर सेल की मदद से अभिषेक को हिरासत में लिया गया। अभिषेक विदिशा में किराए के मकान में नाबालिग को रखे हुए थे। पुलिस दोनों को पूछताछ के लिए बैरसिया थाने लेकर पहुंची। वहां महिला अधिकारी से नाबालिग के बयान दर्ज कराए। बयान में पीड़िता ने बताया कि अभिषेक मालवीय उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था और उससे शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस ने बताया कि आरोपी अभिषेक शादीशुदा है।

शादीशुदा महिला ने लगाए दो युवकों पर दुष्कर्म के आरोप

इसी थाना क्षेत्र के एक कस्बे में दो युवकों द्वारा महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कर लिया है। पुलस ने बताया कि 25 साल की महिला शादीशुदा हैं और इलाके में रहती है। इसी इलाके में विपिन मीणा और अमित धाकड़ रहते हैं। पीड़िता ने बताया कि मोहल्ले में रहने के कारण विपिन मीणा से उसकी पहचान थी। पहचान का फायदा उठाकर आरोपी पति की गैरमौजूदगी में उसके घर पहुंचा था। इसके बाद उससे शारीरिक संबंध बनाए। यह बात गांव में रहने वाले अमित धाकड़ को पता चली तो वह महिला को बदनाम करने की धमकी देते हुए उसके घर पति की गैरमौजूदगी में पहुंचने लगा और उसका दैहिक शोषण करने लगा। आरोपी अलग-अलग महिला के घर पहुंचते थे और उसका दैहिक शोषण करते थे। यह घटना गत चार महीने से चल रही थी। जब पीड़िता और आरोपियों के परिवार में अनबन होने लगी तो पीड़िता ने पुलिस को आपबीती सुनाई थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कर लिया।

ढक्कन टूटने के कारण गंवा बैठा जान

पानी की टंकी पर चढ़कर काम कर रहा मजदूर टंकी समेत गिरा, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित सिंगार नगर में शनिवार दोपहर प्लास्टिक की टंकी पर चढ़कर काम कर रहा मजूदर टंकी का ढक्कन टूटने से टंकी समेत नीचे गिर गया। वहां मौजूद लोग उसे उठाकर अस्पताल ले गए। वहां पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। अनुमान है कि टंकी समेत गिरने से दहशत में उसे हार्ट अटैक आया है।

पुलिस के अनुसार राजकुमार प्रजापति पिता तेजराम प्रजापति (32) सिंगार नगर, छोला मंदिर में रहता था और मजदूरी करता था। मोहल्ले में किसी खान का मकान बन रहा है और वह राजकुमार काम कर रहा था। शनिवार दोपहर वह

फाइल फोटो

पानी की टंकी पर चढ़कर काम कर रहा था, तभी एकाएक टंकी का ढक्कन टूटा और वह पानी की टंकी में गिर गया। टंकी महज पांच सौ लीटर की होने के कारण टंकी पलट गई। इस हादसे में उसे चोट नहीं आई थी, लेकिन वह बेसुध हो गया था।

छत पर काम करते समय करंट लगने से युवक की मौत

भोपाल। परवलिया सड़क थाना क्षेत्र स्थित परवलिया गांव में गत दिनों छत पर काम करते समय एक युवक करंट से झुलस गया। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था।इलाज के दौरान शुक्रवार शनिवार की दरमियानी रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। एएसआई सुमेर सिंह ने बताया कि प्रेम नारायण प्रजापति पिता स्वर्गीय शंकर लाल प्रजापति (42) परवलिया सड़क में रहता था। गत 30 सितंबर की दोपहर वह अपने घर की छत पर काम कर रहा था, तभी ऊपर गए बिजली के तार के संपर्क में आ गया। उसे करंट का तगड़ा झटका लगा था। परिजन उसका निजी अस्पताल में इलाज करा रहे थे। इलाज के दौरान शुक्रवार शनिवार की दरमियानी रात नारायण की मौत हो गई।

ऑडिट कंस्लटेंट के घर से कार, एलईडी चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित अरेरा कॉलोनी में आडिट कंस्लटेंट के मकान से बदमाश कार और एलइडी टीवी चुराकर ले गए। घटना शुक्रवार शनिवार की दरमियानी रात की है। पुलिस ने नकबजनी का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। सूत्रों की माने तो कांबिंग गश्त के दौरान पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर कार और एलइडी टीवी बरामद कर ली है।

पुलिस ने बताया कि ज्ञानेंद्र सक्सेना बावड़िया कला में रहते हैं और आडिट कंस्लटेंट हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि अरेरा कॉलोनी में उनका मकान है। उक्त मकान में उनकी मां रहती है। शुक्रवार को मां उनके पास बावड़िया कला पहुंच गई थी। घर के मुख्य गेट पर ताला लगा था। इसी दौरान अज्ञात बदमाश मकान की छत से अंदर घुस गए और एलइडी टीवी निकाल ली। इसके बाद आरोपियों के हाथ पोर्च में खड़ी कार की चाबी लगी तो उन्होंने कार में एलइडी रखी और फरार हो गए।

पिपलिया हस्नाबाद गांव में युवक ने फांसी लगाकर कर ली थी खुदखुशी

सरपंच पति समेत 4 पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित पिपलिया हस्नाबाद गांव में गत 7 सितंबर को एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया था। उस समय पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला था। परिजन ने दो दिन बाद पुलिस को सुसाइड नोट दिए थे। परिजन ने बताया था कि उक्त सुसाइड नोट मृतक ने अपने मोबाइल के कवर में छिपाकर रखे थे। पुलिस ने सुसाइड नोट की जांच की तो उसमें बारह लोगों पर प्रताड़ित करने के आरोप थे। पुलिस ने पड़ताल की तो चार लोगों के नाम सही पाए गए और उन सभी चारों लोगों पर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने कामामला दर्ज कर लिया। गिरफ्तार आरोपी में सभी आरोपी तत्कालीन सरपंच के रिश्तेदार हैं।

पुलिस का कहना है कि जांच के बाद अन्य आरोपियों के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया जा सकता है। एएसआई हेमंत सिंह ने बताया कि मुशर्रफ खान (38) पिपलिया हस्नाबाद, तहसील बैरसिया का रहने वाला था। उसकी गांव के पूर्व सरपंच से दोस्ती थी। पूर्व सरपंच ने तत्काल सरपंच की शिकायत की थी। तत्कालीन महिला सरपंच पर आरोप था कि उसने गांव में कुएं की खुदाई में हेरफेर की है।

प्रताड़ित करने का आरोप: पूर्व सरपंच के साथ रहने वाले मुशर्रफ पर को तत्कालीन सरपंच के पति लतीफ खान, भाई अनीष खान, हसीन खान व भतीजे दिलशाद खान द्वारा धमकाया जा रहा था। उन्हें संदेह था कि यह शिकायत पूर्व सरपंच ने मुशर्रफ के कहने पर की है। लिहाजा आरोपी मुशर्रफ को धमककियां देने लगे थे। उनकी धमकियों से परेशान होकर मुशर्रफ ने गत 7 सितंबर को फांसी लगा ली थी।

मेट्रो एंकर | **स्कूल में साथ पढ़ते थे छात्रा और आरोपी**

छात्रा की इंस्टाग्राम आईडी पर अश्लील कमेंट्स, परिचित पर मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी पुलिस ने कॉलेज की छात्रा की शिकायत पर उसके परिचित पर आईटी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। छात्रा का आरोप है कि आरोपी द्वारा उसकी इंस्टाग्राम आईडी पर अश्लील कमेंट्स किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार 18 साल की युवती इलाके में रहती हैं और निजी कॉलेज में फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि अनुज गुर्जर को वह स्कूल के टाइम

से जानती है। वह स्कूल में साथ पड़ता था। अनुज शर्मा ने इंस्टाग्राम पर आईडी बनाकर रखी है। उक्त आईडी में यवती की आईडी पर अश्लील कमेंट्स किए गए थे। उसने इस्टाग्राम की रील में युवती का नंबर डालकर अश्लील कमेंट्स लिखे थे। घटना की जानकारी गुरुवार को युवती को लगी। उसने अपने माता-पिता बताया। युवती के भाई ने अनुज से बात की तो अनुज ने कहा कि उसने यह नहीं किया है। युवती के भाई ने आईडी का पता लगाया जिसका ओटीपी अनुज के मोबाइल में आया। इसके बाद डायल 100 को सूचना दी गई। डायल 100 समय पर नहीं पहुंची तो युवती परिजन को थाने लेकर पहुंची और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

ज्योतिष परामर्श

ज्योतिष शास्त्र में जन्मकुंडली किसी व्यक्ति के जीवन के सटीक आंकलन का दस्तावेज है। जीवन में सितारों और ग्रहों की चाल के विश्लेषण के माध्यम से करियर, शिक्षा, प्रेम, जीवन के बारे में सटीक अनुमान जानने व सही निर्णय लेने में सक्षमता के लिए संपर्क करें

श्रुति रावत
ज्योतिषाचार्य
व कुंडली
विशेषज्ञ

व्हाट्सएप नं.
7869267010
कॉलिंग नंबर
7415497010

shrutirawat16@gmail.com

परामर्श का समय : दोपहर 3 से 5 बजे तक, शुल्क : 501 रुपए

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022